राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 150 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, रविवार , 12 दिसम्बर 2021 मूल्यः 1.50/-

'भारत दुख में... लेकिन रुकेगा नहीं, थमेगा नहीं'

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी के बलरामपुर में बेहद भावुक अंदाज में कहा कि भारत दुख में है। उन्होंने 8 दिसंबर के हेलिकॉप्टर हादसे में मारे गए सीडीएस जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी के अलावा अन्य 11 फौजी जांबाजों के निधन का जिक्र करते हुए कहा कि देश इस दर्द को सहते हुए भी आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जनरल बिपिन रावत जहां भी होंगे, वो देश की प्रगति के साक्षी बनेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार और देश की जनता और अधिक मेहनत करके भारत को ताकतवर और समृद्धशाली बनाएगी।

पीएम मोदी ने बलरामपुर में सरयू कनाल नैशनल प्रॉजेक्ट का उद्घाटन समारोह में जुटी हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत दुख में है, लेकिन दर्द सहते हुए भी हम ना अपनी गति रोकते हैं और ना हमारी प्रगति। भारत रुकेगा नहीं, भारत थमेगा नहीं।' मोदी ने कहा, 'जनरल बिपिन रावत आने वाले दिनों में अपने भारत को नए संकल्पों के साथ, वे जहां होंगे, वहां से भारत को आगे बढ़ते हुए देखेंगे। देश की सीमाओं की सुरक्षा बढ़ाने का काम, बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने का काम, देश की सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान, तीनों सेनाओं में तालमेल सुदृढ़ करने का अभियान, ऐसे अनेक काम तेजी से आगे बढ़ते रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'हम भारतीय मिलकर और मेहनत करेंगे, देश के भीतर और देश के बाहर बैठी हर चुनौती का मुकाबला करेंगे। भारत को और शक्तिशाली और समृद्ध बनाएंगे।'

वीरों की धरती से श्रद्धांजलि दे रहा हूं: मोदी

प्रधानमंत्री ने हादसे में प्राणों का बलिदान देने वाले जांबाजों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्र निर्माताओं और राष्ट्र रक्षकों की इस धरती से मैं आज देश के उन सभी वीर योद्धाओं को भी श्रद्धांजलि दे रहा हूं जिनका 8 दिसंबर को हेलिकॉप्टर हादसे में निधन हो गया।

भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत जी का जाना हर भारतप्रेमी के लिए, हर राष्ट्रभक्त के लिए बहुत बड़ी क्षति है। जनरल बिपिन रावत जी जितने जांबाज थे, देश की सेनाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जितनी मेहनत करते थे, पूरा देश उसका साक्षी रहा है।'

पीएम ने बताई सैनिकों की शक्ति

पीएम मोदी ने कहा कि कोई सैनिक सेना में रहने तक ही सैनिक नहीं रहता है, वो जीवनभर सैनिक रहता है। उसका पूरा जीवन एक योद्धा की तरह होता है। देश की आन-बान-शान के लिए वो हर पल समर्पित होता है। उन्होंने गीता के श्लोक का हवाला देकर कहा, 'गीता में कहा गया है- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। ना शस्त्र उसे छिन्न-भिन्न कर सकते हैं, ना अग्नि उसे जला सकती है।'

BSF का अधिकार क्षेत्र बढ़ाए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची पंजाब सरकार

चंडीगढ़। पंजाब, पश्चिम बंगाल और असम में बॉर्डर सिक्यॉरिटी फोर्स (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर दूर तक बढ़ाए जाने के खिलाफ पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मुकदमा शुक्रवार को रजिस्ट्रार के सामने सूचीबद्ध किया गया है, जिन्होंने अटॉर्नी जनरल के जरिए केंद्र को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट में चार सप्ताह बाद इस पर सुनवाई होगी।

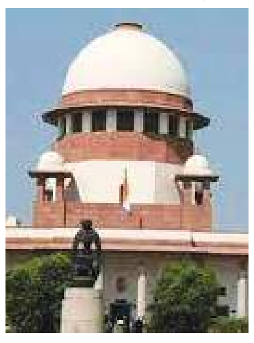

पंजाब सरकार और इसकी लीगल टीम को बधाई देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि संघीय ढांचे और राज्यों की स्वायत्तता और संविधान में निहित सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए संघर्ष शुरू हो गया है। इससे पहले सिद्धू ने केंद्र के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सरकार देश के संघीय ढांचे को कमजोर कर रही है।

ओमिक्रॉन की रफ्तार तेज

देश में कुल 33 केस | महाराष्ट्र नंबर-1 | केंद्र ने राज्यों को किया सचेत

नई दिल्ली

देश में शनिवार को ओमिक्रॉन का एक और केस सामने आया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जिम्मबाब्वे से आए एक शख्स के ओमिक्रॉन से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसे दिल्ली के एलएनजेपी में भर्ती कराया गया है। दिल्ली में ओमिक्रॉन का यह दूसरा मामला है। इससे पहले तंजानिया से आए शख्स में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई थी। इसके साथ ही देश में ओमिक्रॉन के मामले बढ़ कर 33 हो गए हैं। कोरोना के इस नए वैरिएंट के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों को पत्र लिखकर सचेत किया है। महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सबसे अधिक 17 मामले हैं। इसके बाद राजस्थान में नौ मामले हैं। मुंबई में ओमिक्रॉन को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर 11 और 12 दिसंबर को धारा-144 लागू कर दी गई है। नए आदेश के तहत रैलियों, मोर्चों, जुलूसों आदि पर रोक लगा दी गई है। केंद्र ने भी मास्क का इस्तेमाल कम होने का हवाला देते हुए आगाह किया है कि लोग जोखिम मोल ले रहे हैं। सरकार का कहना है कि अभी मास्क हटाने का वक्त नहीं आया है। इससे हम फिर खतरे की स्थिति में आ गए हैं। हमें याद रखना होगा कि वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के साथ मास्क का इस्तेमाल भी बेहद जरूरी है।

हालात पर रखें कड़ी नजर

केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी निर्देश दिया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखें और जिला स्तरीय उपायों पर ध्यान दें। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि पुडुचेरी, मणिपुर, केरल, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और नगालैंड के 19 जिलों में बीते दो हफ्ते में पिछले पांच से 10 फीसद के बीच पॉजिटिव दर दर्ज की गई है।

मौजूदा वक्त में 27 जिलों पर बहुत बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में राजनैतिक रोकथाम की जरूरत है, इसमें रात का कर्फ्यू, लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध, मण्डली, और विवाह और अंत्येष्टि में गिने-जुने लोगों को ही अनुमति देना शामिल है।

Short News एक नजर

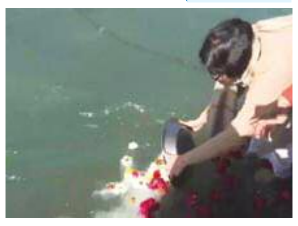

गंगा की गोंद में रावत

हरिद्वार। भारतीय सेना के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत की अस्थियां हर की पैड़ी के पास वीआईपी घाट में पूरे सैन्य सम्मान के साथ गंगा नदी में विसर्जित की गई। जनरल रावत की छोटी बेटी तारिणी ने अपनी बड़ी बहन कृतिका के साथ वीआईपी घाट में अस्थियों का विसर्जन सैन्य सम्मान और सेना के बैंड के बीच किया। सीएम पुष्कर सिंह धामी, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी सहित भारी संख्या में लोगों ने जनरल रावत को श्रद्धांजलि दी।

मिस यूनिवर्स 2021 भारत का नाज बनेंगी हरनाज

नई दिल्ली। 70वां मिस यूनिवर्स पेजेंट इस साल 12 दिसंबर को इजराइल में होने जा रहा है। इस साल बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला को मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट को जज करने का मौका मिला है। वो भारत की तरफ से ज्यूरी टीम का हिस्सा होंगी। खास बात यह है कि इस मुकाबले में दुनिया भर की खूबसूरत लड़कियों से टक्कर लेने के लिए भारत से हरनाज संधू शामिल हो रही हैं।

सऊदी अरब ने तबलीगी जमात पर लगाया प्रतिबंध

बताया- आतंकवाद का द्वार

नई दिल्ली

सऊदी अरब सरकार ने सुन्नी इस्लामी अतिवादी संगठन तबलीगी जमात पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने इस संगठन को आतंकवाद के प्रवेश द्वारों में से एक बताया है। सऊदी इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने मस्जिद में उपदेशकों को आदेश दिया है कि वे लोगों को तबलीगी जमात के बारे में आगाह करने के लिए अगले शुक्रवार को बताएं।

सरकार ने मस्जिदों से इस संगठन के पथभ्रष्टता, विचलन और खतरे के बारे में बताने को कहा है। कहा गया कि यह आतंकवाद के द्वारों में से एक है। तबलीगी जमात की सबसे प्रमुख गलतियों को बताने को कहा गया है। मंत्रालय ने समाज को इस संगठन से होने वाले खतरे को लेकर बताने को कहा गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 1926 में भारत में बना तबलीगी जमात एक सुन्नी इस्लामिक मिशनरी आंदोलन है जो मुसलमानों से सुन्नी इस्लाम के शुद्ध रूप में लौटने और धार्मिक रूप से चौकस रहने की अपील करता है। यह संगठन ड्रेसिंग, व्यक्तिगत व्यवहार और अनुष्ठानों की शुद्ध इस्लामी रूप की वकालत करता है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में तबलीगी जमात के 35-40 करोड़ सदस्य हैं। इनका दावा है कि इनका फोकस एरिया धर्म है और ये राजनीतिक गतिविधियों से बचते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ पीस ने तबलीगी जमात को एक इस्लामी पुनरुत्थानवादी संगठन के रूप में बताया है। कहा है कि आतंकवाद से संबंध में कई बार इस संगठन का नाम सामने आया है।

बाइडेन ने ड्रैगन को घेरा

लपेटे में म्यांमार

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने चीन, म्यांमार, उत्तर कोरिया व बांग्लादेश आदि के दर्जनभर से ज्यादा प्रतिष्ठानों और लोगों पर मानवाधिकार संबंधी प्रतिबंध लगाए हैं। चीन की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी सेंसटाइम ग्रुप को इन्वेस्टमेंट ब्लैकलिस्ट में डाल दिया गया है। कंपनी पर चेहरे के जरिये अल्पसंख्यक उइगरों की पहचान करने वाला साफ्टवेयर विकसित करने का आरोप है। सेंसटाइम ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उसने स्थानीय सभी नियमों का पालन किया है।

अमेरिका ने मानवाधिकार दिवस के अवसर पर यह कदम उठाया है। जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रतिबंध लगाया गया है।

डिप्टी ट्रेजरी सेक्रेटरी वैली एडेमो ने एक बयान में कहा, 'आज हमारे प्रतिबंध, खासकर ब्रिटेन व कनाडा की साझेदारी में लगाए गए प्रतिबंध यह संदेश देते हैं कि विश्वभर के लोकतंत्र उन देशों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जो राज्य की शक्ति का दुरुपयोग व दमन करते हैं।' चीन की तीन अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

वाशिंगटन स्थित चीनी दूतावास ने अमेरिका के इस कदम की निंदा करते हुए इसे आंतरिक मामलों में गंभीर हस्तक्षेप और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत नियमों का उल्लंघन करार दिया है। अमेरिका ने म्यांमार में सेना व पुलिस के लिए हथियार बनाने वाले डायरेक्टरेट आफ डिफेंस इंडस्ट्रीज पर प्रतिबंध लगाया है। एक फरवरी के तख्तापलट में इसका इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा, जुंटा प्रशासन का नेतृत्व करने वाले मायो स्वे विन समेत चार प्रांतों के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाया गया है।

कनाडा ने म्यांमार की सैन्य सरकार से जुड़े चार प्रतिष्ठानों, जबकि ब्रिटेन ने सेना के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए हैं। ट्रेजरी ने उत्तर कोरिया के सेंट्रल प्रोसेक्यूटर्स आफिस व रक्षा मंत्री रि योंग गिल के खिलाफ प्रतिबंध लगाए हैं। उत्तर कोरिया को कर्मचारी उपलब्ध कराने के लिए रूस की एक यूनिवर्सिटी को भी प्रतिबंधित किया गया है।

कैप्टन वरुण सिंह की हालत नाजुक

पिता ने कहा – वह फाइटर ... जिंदगी की जंग जरूर जीतेगा

नई दिल्ली

ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। भारतीय वायु सेना अधिकारी ने बताया कि कैप्टन की सेहत अब भी ठीक नहीं है। हालांकि उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का इस समय बेंगलुरू के कमांड अस्पताल में इलाज चल रहा है। दरअसल, आठ दिसंबर को हुई हेलिकॉप्टर दुर्घटना में जीवित बचने वाले वे अकेले व्यक्ति हैं। दुर्घटना में सीडीएस जनरल बिपिन रावत और 12 अन्य लोगों की जान चली गई थी। इस बीच वायुसेना के ग्रुप कैप्टन

वरुण सिंह के पिता का कहना है कि उनका बेटा एक फाइटर है, जिंदगी की जंग जरूर जीतेगा। वरुण सिंह के पिता कर्नल केपी सिंह (रिटायर्ड) ने फोन पर बताया कि मेरे बेटे की हालत में इतना उतार-चढ़ाव हो रहा है कि वह कैसा है, यह बताना बेहद मुश्किल है। कर्नल केपी सिंह भोपाल में रहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके बेटे के स्वास्थ्य पर हर घंटे नजर रखी जा रही है।

राहुल गांधी को रिलांच करेगी कांग्रेस

'महंगाई हटाओ रैली' के पोस्टरों में उठी राहुल को फिर अध्यक्ष बनाने की मांग

नई दिल्ली

रविवार को राजस्थान की राजधानी जयपुर में कांग्रेस महंगाई हटाने की मांग को लेकर महारैली का आयोजन कर रही है। इस मौके पर भी मुख्य मांग राहुल गांधी को फिर कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की हो रही है। ऐसे पोस्टर बैनरों से जयपुर पट गया है।

महारैली स्थल पर भी ऐसे ही पोस्टर लगे हैं। इन्हें लेकर पूछे गए सवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि राहुल गांधी को किसी लांचिंग की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस की 'महंगाई हटाओ' महारैली को लेकर जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई प्रेस

कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रभारी अजय माकन, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा मौजूद रहे। इस दौरान जब राहुल गांधी की रीलांचिंग को लेकर सवाल किया गया तो सुरजेवाला ने कहा कि उन्हें किसी रीलांचिंग की जरूरत नहीं है।

पीएफआई पर कसा शिकंजा

नेताओं के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने केरल में पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी PFI के नेताओं और पदाधिकारियों से संबंधित चार परिसरों पर छापेमारी की है। शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि आठ दिसंबर को कन्नूर के पेरिंगाथुर में पीएफआई और एसडीपीआई सदस्य शफीक पायथ और मलप्पुरम में पीएफआई के पेरुम्पडप्पू के मंडल अध्यक्ष अब्दुल रजाक बीपी के आवासीय परिसरों की तलाशी ली। इनके अलावा एर्नाकुलम के मुवत्तापुझा में पीएफआई के नेताओं अशरफ एमके, तमर अशरफ और अशरफ खादर के आवासीय परिसरों पर भी छापे मारे गए। यही नहीं मुन्नार के मनकुलम में मुन्नार विला विस्टा परियोजना का कार्यालय परिसर में भी तलाशी ली गई। एक रिपोर्ट के अनुसार पीएफआई की ओर से चलाए गए तलाशी अभियान को बाधित करने के प्रयासों के बावजूद ईडी अधिकारियों ने सीआरपीएफ के जवानों की मदद से सफलतापूर्वक तलाशी अभियान चलाया।

ओमिक्रॉन रोकने के लिए धारावी पैटर्न पार्ट-टू की शुरुआत

मुंबई

कुछ महीने पहले मुंबई में कोरोना का हॉटस्पॉट बने धारावी ने जिस तरह से कोरोना से लड़ाई लड़ी था और जिस तरह इसने जीरो कोरोना संक्रमण तक अपनी स्थिति पहुंचाई थी, उसी धारावी में अब ओमिक्रॉन का संक्रमण भी पहुंच गया है। धारावी की कोरोना के खिलाफ लड़ाई की सफलता की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भी की थी। लेकिन अब इसी धारावी बस्ती में ओमिक्रॉन संक्रमित एक व्यक्ति के पाए जाने के बाद मुंबई महानगरपालिका (BMC) सतर्क हो गई है। तुरंत प्रशासन हरकत में आया है। मास टेस्टिंग की शुरुआत हो चुकी है, यह जांच बिलकुल मुफ्त की जा रही है। धारावी में 80 फीसदी आबादी सार्वजनिक शौचालयों का इस्तेमाल करती है। इस वजह से सार्वजनिक शौचालयों में दिन भर में छह बार सैनिटाइजेशन की व्यवस्था की जा रही है।

इसके अलावा धारावी में वैक्सीनेशन की रफ्तार तेज कर दी गई है, मोबाइल वैक्सीन सेंटर तैनात किए जाने वाले हैं। साथ ही धारावी के 350 क्लिनिक से जुड़े धारावी वॉरियर्स की टीम एक बार फिर सक्रिय कर दी गई है।

भीड़ पर प्रतिबंध लगाने के लिए धारा 144 लागू

ओमिक्रॉन के बढ़ते हुए खतरे को देखते हुए मुंबई में 12 दिसंबर रविवार को सीआरपीसी की धारा 144 लागू की गई है। मुंबई पुलिस द्वारा जारी किए गए इस आदेश के तहत रैली, मोर्चा या राजनीतिक कार्यक्रम करने पर पाबंदी लगाई गई है। बीएमसी की ओर से कोरोना टेस्टिंग ज्यादा करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए बीएमसी 20 लाख एंटीजन टेस्ट किट खरीदने जा रही है। इसके लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं, कई कॉन्ट्रैक्टरों ने अपनी उत्सुकता दिखाई है। टेंडर जारी करने की वजह से यह एंटीजन टेस्ट किट अब सिर्फ 9 रुपए में मिलने की संभावना है। साथ ही बीएमसी की योजना के मुताबिक अब इसकी रिपोर्ट सिर्फ आधे घंटे में आ जाएगी। इस वजह से कोरोना संक्रमित लोगों को तुरंत बाकी लोगों से अलग कर क्वारंटाइन करना आसान हो जाएगा और उनका जीनोम सिक्वेंसिंग कर के ओमीक्रॉन का संक्रमण चेक करने में आसानी होगी।

'पिनाका' का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि बीते तीन दिन में विस्तारित दूरी वाली पिनाका रॉकेट प्रणाली (पिनाका ईआर) के कई बार परीक्षण किए गए जो सफल रहे। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के बाद एक निजी उद्योग ने इन रॉकेट प्रणालियों का निर्माण किया, जिनका पोखरण में परीक्षण किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, "डीआरडीओ ने सेना के साथ पिछले तीन दिन तक फील्ड फायरिंग रेंज में कई बार इन रॉकेट का परिक्षण कर इनके प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।" मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "इस दौरान विभिन्न युद्धक क्षमताओं के साथ उन्नत रेंज के पिनाका रॉकेट का अलग-अलग रेंज में परीक्षण किया गया। सभी परीक्षण संतोषजनक रहे।"

फिल्ममेकर अली अकबर बने हिंदू

CDS रावत की मौत पर खुशी मनाने वालों से नाराज होकर किया फैसला, पत्नी ने भी धर्म बदला

नई दिल्ली

देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत का बुधवार को हेलिकॉप्टर क्रैश में निधन हो गया। पूरा देश उनके निधन पर शोक मना रहा था, तो दूसरी तरफ कुछ लोग सोशल मीडिया पर इसका मजाक उड़ा रहे थे। कट्टरपंथियों की इन हरकतों से दुखी होकर मलयाली फिल्मों के डायरेक्टर अली अकबर और उनकी पत्नी लुसीअम्मा ने इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म अपनाने का फैसला किया है।

इस्लाम से मेरा विश्वास उठ गया

फिल्ममेकर अली अकबर ने फेसबुक पर लाइव पर अपने और पत्नी के इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म अपनाने का ऐलान किया। उन्होंने अपना नाम बदलकर 'रामसिम्हन' रखने का ऐलान भी किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों की तरफ से ऐसी हरकत का विरोध सीनियर मुस्लिम नेताओं और इस्लामिक धर्मगुरुओं ने भी नहीं किया। देश के बहादुर बेटे का ऐसा अपमान स्वीकार्य नहीं है। अकबर ने यह भी कहा कि उनका इस्लाम से विश्वास उठ गया है।

आज से मैं मुस्लिम नहीं, एक भारतीय हूं

अली अकबर ने कहा, 'मुझे जन्म के समय से ही जो चोला मिला था, उसे उतारकर फेंक रहा हूं। आज से मैं मुस्लिम नहीं हूं। मैं एक भारतीय हूं। मेरा यह संदेश उन लोगों के लिए है, जिन्होंने भारत के खिलाफ हंसते हुए स्माइली पोस्ट की है।' अकबर की इस पोस्ट पर कई लोग उनका विरोध कर रहे हैं, तो कई उनका समर्थन भी कर रहे हैं। अली अकबर ने कहा था, 'जनरल बिपिन रावत की मौत की खबर पर हंसने वाले अधिकतर लोग मुस्लिम थे। उन्होंने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि जनरल रावत ने पाकिस्तान और साथ ही कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ कड़े कदम उठाए थे। मैं ऐसे धर्म के साथ आगे नहीं जुड़ा रह सकता हूं।'

नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमले में 9 लोगों की मौत

अबुजा। नाइजीरिया के नाइजर प्रांत में बंदूकधारियों के समूह ने एक गांव पर हमला किया जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। प्रांत के पुलिस

प्रमुख बाला कुर्यस ने राजधानी मिन्ना में मीडिया से बताया नाइजर के माशेगू स्थानीय सरकारी क्षेत्र के बाआर गांव की स्थानीय मस्जिद में बंदूकधारियों ने सुबह की नमाज अदा कर रहे लोगों पर हमला किया। कुर्यस बताया कि मोटरसाइकिल पर आए बंदूकधारियों ने मस्जिद में गोलीबारी कर दहशत फैला दी। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। कुछ सुरक्षा कर्मियों को इलाके में सुरक्षा बढ़ाने के लिए तैनात किया गया है। पुलिस हमलावरों की मंशा का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए जांच कर रही है।

निकारागुआ ने तोड़े ताइवान से राजनयिक संबंध, चीन ने दी शुभकामनाएं

बीजिंग। निकारागुआ ने ताइवान के साथ लंबे समय से चले आ रहे राजनयिक संबंधों को तोड़ दिया। निकारागुआ का यह फैसला चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के वन चाइना पालिसी के पक्ष में है। विदेश मंत्रालय ने अंग्रेजी व स्पेनिश भाषा में बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसके अनुसार, 'रिपब्लिक निकारागुआ की सरकार ने आज ताइवान के साथ सभी राजनयिक संबंधों को खत्म कर दिया और आधिकारिक संबंध विच्छेद कर लिया।'

निकारागुआ के इस फैसले पर ताइवान ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। ताइवान ने इसे दुखद बताया और कहा कि सेंट्रल अमेरिकी राष्ट्रपति डेनियल ओर्टेगा ने ताइवान और निकारागुआ की जनता के बीच की मित्रता का अपमान किया। लेकिन ताइवान की सरकार ने चुनौती भी दी। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सदस्य होने के नाते ताइवान को दूसरे देशों के साथ राजनयिक संबंध विकसित करने का अधिकार है।' संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जून ने निकारागुआ को इस फैसले के लिए बधाई दी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, 'हम निकारागुआ सरकार द्वारा किए गए सही निर्णय की बहुत सराहना करते हैं, जो समय की मांग को देखते हुए लोगों की चाहत के अनुसार है।' पिछले माह ही निकारागुआ की सरकार ने अमेरिकी राज्यों के संगठन (ओएएस) से हटने का एलान किया थ्ज्ञा। बता दें कि ओएएस एक क्षेत्रीय निकाय है जिसने राष्ट्रपति डेनियल ओर्टेगा की सरकार पर चुनाव में धांधली और दमन का आरोप लगाया। निकारागुआ के विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने ओएएस महासचिव लुइस अल्माग्रो को निकारागुआ में निकाय के बार-बार हस्तक्षेप देने को लेकर आधिकारिक पत्र लिखा है।

सुबह के मुकाबले दोपहर में कोविड रोधी वैक्सीन लगवाना ज्यादा बेहतर, अलग-अलग समय में टीके की प्रतिक्रियाएं भिन्न

बोस्टन। विज्ञानियों ने एक हालिया अध्ययन में पाया है कि सुबह के मुकाबले दोपहर में कोविड वैक्सीन लगवाना ज्यादा फायदेमंद होता है। दोपहर में एंटीबाडी का स्तर अधिक होता है। बायोलाजिकल रिदम नामक पत्रिका में प्रकाशित यह अध्ययन बताता है कि 24 घंटे में शरीर के अंदर कई बदलाव होते हैं, इनमें संक्रामक रोगों के खिलाफ प्रतिक्रिया और टीकाकरण भी शामिल है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल (एमजीएच) से संबद्ध और अध्ययन की वरिष्ठ लेखिका एलिजाबेथ क्लेरमैन के अनुसार, हमारा विश्लेषणात्मक अध्ययन इस अवधारणा को प्रमाण उपलब्ध कराता है कि दिन के अलग-अलग समय में कोविड-19 वैक्सीन की प्रतिक्रिया भिन्न होती है। यह अध्ययन वैक्सीन के प्रभाव का निर्धारण करने में मददगार साबित हो सकता है।'

शोधकर्ताओं ने पाया कि कई बीमारियों के लक्षण और दवाओं की प्रतिक्रिया दिन के समय में भिन्न होती है। उदाहरण के लिए, फेफड़े की बीमारियों से पीड़ितों को दिन के एक निश्चित समय में ज्यादा परेशानी होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन्फ्लूएंजा वैक्सीन लेने वाले बुजुर्ग पुरुषों के एक अध्ययन से पता चला कि जब उन्हें दोपहर की तुलना में सुबह टीका लगाया गया तो उनमें एंटीबाडी का स्तर अपेक्षाकृत कम था।

ताइवान स्ट्रेट पर चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां, लेटेस्ट बमवर्षक विमान एच-6जे का हो रहा खास अभ्यास

बीजिंग। ताइवान और चीन का विवाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है। चीन ने ताइवान स्ट्रेट के पास अपनी सेना और सैन्य गतिविधियों को बढ़ा दिया है। चीन ने यह कदम अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को ताइवान स्ट्रेट में हस्तक्षेप करने से रोकने और अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए उठाया है।

ताइवान स्ट्रेट पर कर रहा अभ्यास- चीन ताइवान स्ट्रेट के पास चीनी जहाज से बम गिरा रहा है और अपने सैनिकों को ट्रैनिंग देने के लिए लाइव-फायर का अभ्यास भी कर रहा है। साथ ही दक्षिण चीन सागर के क्षेत्रों में समुद्री खदानें बिछा रहा है। चीन के सबसे लेटेस्ट बमवर्षक विमान एच-6जे ने ज्यादा विस्फोटक हवाई बमों का इस्तेमाल करके लाइव-फायर में एक क्रम के तहत बम गिराने और समुद्री खदान बिछाने का एक साथ अभ्यास भी किया।

अमेरिकी नौसैना के आगे कमजोर एच-6जे

क्रिस ओसबोर्न ने कहा कि एच-6जे जैसा एक बमवर्षक विमान अमेरिकी नौसैना की पांचवीं पीढ़ी के विमान से जहाज लान्च होने के बाद बहुत ही कमजोर होगा। इसे ड्रोन और नेटवर्क ग्राउंड सर्विलांस सिस्टम के माध्यम से आसानी से देखा जा सकता है। राष्ट्रीय हित के अनुसार एच-6जे जैसा बड़ा बमवर्षक विमान सतह के जहाजों से आने वाली विमान-रोधी आग की चपेट में आ सकता है। यह इस बात पर निर्भर है कि एच-6जे तटीय क्षेत्रों में खदानों को बिछाने के लिए कितनी कम ऊंचाई पर उड़ता है।

ताइवान स्वतंत्रता मतलब युद्ध

आपको बता दें कि चीन और ताइवान अलग-अलग शासित देश हैं। सात दशकों से अलग-अलग शासित होने के बावजूद चीन ने कहा कि ताइवान स्वतंत्रता का मतलब युद्ध है। 1 जून को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्व-शासित ताइवान को एक बार फिर चीन के साथ जोड़ने का संकल्प लिया। साथ ही उन्होंने ताइवान की ओर से स्वतंत्रता के लिए किए जाने वाली सभी कोशिशों को खत्म करने की बात भी कही ।

संयुक्त राष्ट्र महासभाः अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को मिला आब्जर्वर का दर्जा, तिरुमूर्ति बोले- ऐतिहासिक निर्णय

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) को आब्जर्वर का दर्जा दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने ट्वीट करके ये जानकारी दी। टी एस तिरुमूर्ति ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए कहा कि आइएसए वैश्विक ऊर्जा बढ़ोतरी और विकास के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है।

तिरुमूर्ति ने अपने ट्वीट में लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को आब्जर्वर का दर्जा देने का संयुक्त राष्ट्र महासभा ने

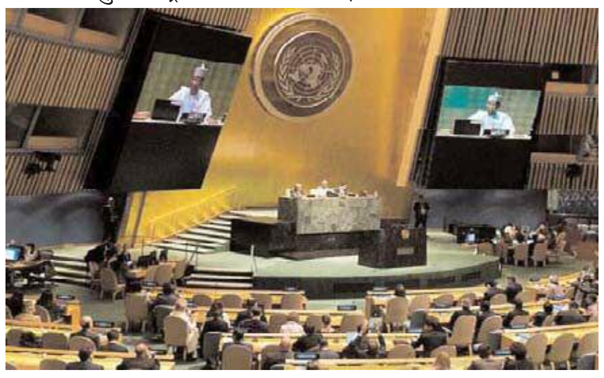

ऐतिहासिक निर्णय लिया है। छह वर्षों में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन वैश्विक ऊर्जा विकास और वृद्धि के लाभ के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है। सभी सदस्य देशों को धन्यवाद।' अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) की चौथी आम सभा इससे पहले अक्तूबर में आयोजित की गई थी। जिसमें कुल 108 देशों ने हिस्सा लिया। इनमें 74 सदस्य देश और 34 आब्जर्वर और संभावित देश शामिल हैं। 23 सहयोगी संगठन और 33 विशेष आमंत्रित संगठन भी शामिल हुए थे। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) का एलान प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने नवंबर 2015 में पेरिस में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के 21 वें सत्र में की था।

ट्यूनीशिया की इस्लामी पार्टी के मुख्यालय में आग लगी, 1 व्यक्ति की मौत 18 अन्य घायल

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी के यहां स्थित मुख्यालय में आग लग गई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। पार्टी और अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घायलों में एक पूर्व प्रधानमंत्री भी हैं जो खिड़की से बाहर कूदने के बाद चोटिल हो गए। एन्नाहधा मूवमेंट ने एक बयान में कहा कि पार्टी कार्यकर्ता समी सिफी (51) की मौत हो गई और कई कर्मचारी तथा नेता घायल हो गए। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

दर्दनाक हादसाः मैक्सिको में बेकाबू ट्रक ने पैदल यात्रियों को रौंदा, 53 लोगों की मौत, 50 से ज्यादा लोग घायल

मैक्सिको। दक्षिणी मैक्सिको में देर रात भीषण हादसा हुआ। एक बेकाबू ट्रक ने भीड़ वाली सड़क पर लोगों को रौंद दिया। इस हादसे में अभी तक 53 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। यह दर्दनाक हादसा चियापास राज्य की राजधानी जाने वाली सड़क पर हुआ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मालवाहक ट्रक जैसे ही पुल पर चढ़ा कि ड्राइवर ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिससे सड़क किनारे चल रहे लोगों को रौंदते हुए डिवाइडर से टकरा गया। बताया जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। चियापास राज्य नागरिक सुरक्षा कार्यालय के प्रमुख लुइस मैनुअल मोरेनो ने बताया कि मरने वालों और घायलों में ज्यादातर मध्य अमेरिका के अप्रवासी हैं, हालांकि उनकी राष्ट्रीयता की अभी पुष्टि नहीं हुई।

मोरेनो ने बताया कि बचे हुए लोगों में से कुछ ने कहा कि वे पड़ोसी देश ग्वाटेमाला से हैं।

पुल से टकराने के बाद गिरा ट्रक- मोरेनो ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ट्रक इंसानों के भारी वजन के कारण पलट गया और जैसे ही वाहन उसके ऊपर से गिरा, वह स्टील के पैदल पुल से टकरा गया। गौरतलब है कि हाल ही में मैक्सिकन अधिकारियों ने प्रवासियों को अमेरिकी सीमा की ओर बड़े समूहों में जाने से रोका था, लेकिन प्रवासी तस्करी का गुप्त और अवैध प्रवाह जारी है।

अफगानिस्तान में अलकायदा की संख्या 'थोड़ी' बढ़ी है : अमेरिकी कमांडर

वाशिंगटन। अमेरिका की सेना के अगस्त के अंत में अफगानिस्तान से जाने के बाद वहां आतंकवादी समूह अलकायदा के आतंकवादियों की संख्या थोड़ी बढ़ी है और देश के नए तालिबान नेता इस बात को लेकर बंटे हुए हैं कि समूह के साथ संबंध तोड़ने के संबंध में 2020 में किए गए संकल्प को पूरा किया जाए या नहीं। अमेरिका के एक शीर्ष कमांडर ने यह बात कही। यूएस सेंट्रल कमान के प्रमुख मरीन जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य और खुफिया एजेंसियों के चले जाने से अफगानिस्तान के अंदर अलकायदा और अन्य चरमपंथी समूहों पर नजर बनाए रखना बहुत कठिन हो गया है।

मैकेंजी ने अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन में कहा कि यह स्पष्ट है कि

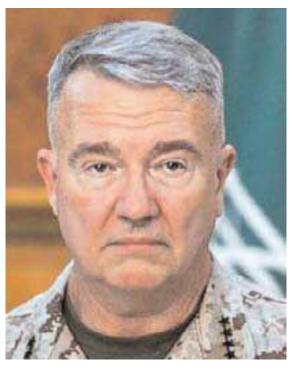

अलकायदा अफगानिस्तान के अंदर अपनी मौजूदगी को फिर से मजबूत बनाने का प्रयास कर रहा है, जहां से उसने 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका के खिलाफ हमलों की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि कुछ आतंकवादी अफगानिस्तान की सीमा से देश में आ रहे हैं, लेकिन अमेरिका के लिए इनकी संख्या पर नजर रखना कठिन है।

अमेरिका में 11 सितंबर को हुए आतंकवादी हमलों के बाद अमेरिका ने करीब 20 साल तक अफगानिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का नेतृत्व किया और तालिबान को सत्ता से हटाने में सफल रहा, लेकिन आखिरकार तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। अप्रैल में राष्ट्रपति जो बाइडन ने घोषणा की कि थी वह अफगानिस्तान से पूरी तरह से सेना को हटा रहे रहे हैं।

ब्रिटेन में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या हुई दोगुनी

लंदन। ब्रिटेन में संक्रमण के और 249 नए मामले सामने आने के साथ कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप के मामले एक दिन में करीब दोगुने हो गए। इसके साथ ही, देश में ओमीक्रोन के कुल मामलों की संख्या बढ़ कर 817 हो गई। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी

(यूकेएसएचए) ने कहा कि यदि वृद्धि दर और मामले दोगुने होने में लगने वाला समय ऐसा ही रहा तो वे अगले दो चार हफ्तों में कोरोना वायरस के कम से कम 50 प्रतिशत मामले ओमीक्रोन स्वरूप के देख सकते हैं। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इससे पहले कहा था कि ओमीक्रीन के मामलों के दोगुने होने की अवधि दो से तीन दिन के बीच हो सकती है। यूकेएसएचए मुख्य चिकित्सा सलाकार डॉ सुसान होपकिंस ने कहा, ''यह प्रमाण बढ़ता जा रहा है कि ओमीक्रोन अत्यधिक संक्रामक है। हम संक्रमण की चेन तोड़ने और नये स्वरूप के प्रसार को रोकने के लिए हर चीज करेंगे।'

ओमिक्रान के खिलाफ उपयोगी साबित हो सकता है 'लेबोरेटरी डाटा'- डब्ल्यूएचओ

न्यूयॉर्क। दुनियाभर में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट 'ओमिक्रान' का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इससे निपटने के लिए सभी देश अपने स्तर पर तैयारी में जुटा हुआ है। अब दुनिया भर में ओमिक्रान वैरिएंट प्रसार के बीच संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी की तरफ से कहा गया है कि नए वैरिएंट के खिलाफ प्रारंभिक प्रयोगशाला डेटा उपयोगी है, लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि ये कितने प्रभावी होंगे।

संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी

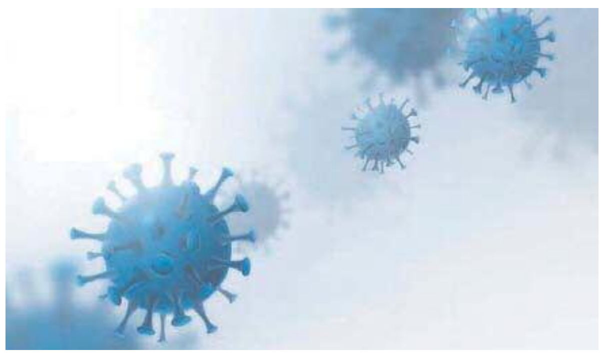

के पैनल ने कहा कि कोरोना के नए वैरिएं के खिलाफ मौजूदा टीकों की प्रभावशीलता पर प्रारंभिक प्रयोगशाला डेटा उपयोगी है, लेकिन यह अभी ये साफ नहीं है कि ये कितने प्रभावी होंगे। गंभीर रूप से बीमार मरीजों का इलाज कर रहे हैं। बता दें कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब कहा जा रहा है जिस शख्स ने कोरोना वैक्सीन की दोनो डोज ली हुई है उसको छह महीने तक ओमिक्रान का खतरा कम है।

डब्ल्यूएचओ में टीकाकरण, टीके और जैविक विज्ञान विभाग के निदेशक डॉ केट ओ 'ब्रायन ने कहा, 'निष्क्रियता डेटा में एक आधार है, लेकिन यह वास्तव में नैदानिक डेटा है जो ओमिक्रान से लड़ने में सहायता प्रदान कर सकता है।

न्यूजीलैंड में आजीवन सिगरेट नहीं खरीद सकेंगे युवा, सरकार लगाएगी प्रतिबंध

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने धूमपान की लत से देश के भविष्य को बचाने के लिए अनूठी योजना बनाई है। सरकार 14 या उससे कम उम्र के युवाओं के सिगरेट खरीदने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के लिए कानून लाने जा रही है। इस कानून को अगले साल तक लागू किया जा सकता है। कानून के तहत सिगरेट खरीदने की न्यूनतम आयु भी साल दर साल बढ़ाई जाती रहेगी। सरकार का तर्क है कि कानून लागू होने के 65 साल बाद दुकानदार सिर्फ 80 वर्ष की उम्र से ज्यादा वालों को ही सिगरेट बेच सकेंगे।

सरकार का लक्ष्य 2025 तक देश में धूमपान करने वालों की संख्या पांच प्रतिशत कम करना भी है। सरकार ने कहा कि धूमपान को कम करने के अन्य प्रयासों में बहुत लंबा समय लग रहा है। सरकार का लक्ष्य तंबाकू बेचने और सभी उत्पादों में निकोटीन के स्तर में कटौती करना है। देश में हर साल धूमपान से पांच हजार लोगों की मौत होती है। न्यूजीलैंड की एसोसिएट स्वास्थ्य मंत्री ने एक कहा, 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि युवा कभी धूमपान शुरू न करें। लिहाजा हम युवाओं के नए समूहों को धूमपान करने वाले तंबाकू उत्पादों को बेचना या आपूर्ति करने को अपराध बना देंगे। यहां की सरकारके अनुसार बीते दशक में धूमपान की दर में गिरावट आई है। फिलहाल, न्यूजीलैंड में 18 साल से कम उम्र के लोगों को तंबाकू बेचने पर रोक है। यदि कुछ भी नहीं बदलता है, तो फिर धूमपान दर 5 फीसद से कम होने तक दशकों लगेंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, न्यूजीलैंड में 15 साल से अधिक उम्र के लोग 11.6 फीसद धूम्रपान करते हैं। साल 2022 के अंत तक इसे कानून बनाने के मकसद से सरकार अगले साल जून में संसद में कानून पेश करने करेगी।

बाइडन ने नेताओं से ''लोकतंत्र का अवमूल्यन'' न करने का आग्रह किया

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन ने समूचे विश्व में लोकतंत्र के ''अवमूल्यन'' पर चिंता व्यक्त की और साथी विश्व नेताओं से लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने का आह्वान किया। बाइडन ने यह बात चीन और रूस की तरफ से वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने के प्रयासों के मद्देनजर कही जो उनके प्रशासन के लिए चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है।

व्हाइट हाउस के पहले 'लोकतंत्र के लिए ऑनलाइन सम्मेलन' में 100 से अधिक नेताओं के लिए बाइडन की टिप्पणियां ऐसे वक्त में आई हैं जब नेताओं ने लोकतंत्र के सामने आ रही भ्रष्टाचार, असमानता और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश जैसी कई चुनौतियों की ओर इशारा किया।

नेताओं ने दुष्प्रचार और निरंकुशता को बढ़ावा देने के खतरों के बारे में भी चिंता व्यक्त की।

बाइडन ने पूछा, 'क्या हम अधिकारों और लोकतंत्र के अवमूल्यन को अनियंत्रित रूप से जारी रहने देंगे? या हम साथ मिलकर एक दृष्टिकोण बनाएंगे और एक बार फिर मानव प्रगति और मानव स्वतंत्रता की यात्रा को आगे बढ़ाने का साहस दिखाएंगे?'

उन्होंने चीन और रूस का नाम लिये बिना बार-बार यह बात उठाई कि अमेरिका और समान विचारधारा वाले

सहयोगियों को दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि लोकतंत्र निरंकुशता की तुलना में समाज के लिए एक बेहतर माध्यम है। यह बाइडन की विदेश नीति के दृष्टिकोण का एक केंद्रीय सिद्धांत है - एक ऐसी प्रतिबद्धता है जिसे वह अपने पूर्ववर्ती ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण की तुलना में अधिक समावेशी बताते हैं।

बाइडन ने रेखांकित किया कि अमेरिका जैसे लंबे समय से स्थापित लोकतंत्र भी इस अवमूल्यन से अछूते नहीं हैं, और उन्होंने इस क्षण को 'इतिहास में परिवर्तन बिंदु' कहा।

उन्होंने कहा कि स्कूल बोर्ड की बैठकों, चुनाव कार्यालयों और टाउन हॉल में असंतोष के साथ टकराव के बीच स्थानीय निर्वाचित अधिकारी खतरनाक दर से इस्तीफा दे रहे हैं। राज्य मतपत्र तक पहुंच को सीमित करने के लिए कानून पारित कर रहे हैं, जिससे अमेरिकियों के लिए मतदान करना अधिक कठिन हो गया है। और छह जनवरी को कैपिटल में हुए हमले ने डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई लोगों को चुनाव में हुई चोरी के झूठे दावों पर कायम रखा और वोट की सटीकता में लोगों के विश्वास को क्षीण किया। बाइडन ने कहा, 'हम जानते हैं कि हमारे लोकतंत्र और हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है।+राष्ट्रपति ने घोषणा की कि वह दुनिया भर में ऐसे कार्यक्रमों के लिए 42.4 करोड़ डॉलर तक खर्च करने की पहल शुरू कर रहे हैं जो स्वतंत्र मीडिया, भ्रष्टाचार रोधी कार्यों और अन्य बहुत कुछ का समर्थन करते हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंस की अमेरिका के मुख्य विरोधियों और अन्य देशों ने आलोचना की जिन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। अमेरिका में चीन और रूस के राजदूतों ने एक संयुक्त लेख लिखा जिसमें बाइडन प्रशासन को 'शीत-युद्ध की मानसिकता' का प्रदर्शन करने वाला बताया गया, जो 'वैचारिक टकराव को हवा देगा और दुनिया में दरार पैदा करेगा।'

प्रशासन को इस बात को लेकर भी आलोचना का सामना करना पड़ा कि उसने किस आधार पर देशों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया। चीन और रूस उनमें से थे जिन्हें आमंत्रित नहीं किया गया।

एक नजर

पूर्वी निगम के 30 विद्यालयों में बनाए गए किचन गार्डन

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा 30 निगम विद्यालयों में किचन गार्डन लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। इस बारे में जानकारी देते हुए पूर्वी दिल्ली के निगमायुक्त विकास आनंद ने बताया कि कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा दिल्ली के अन्य निगमों की तुलना में सबसे पहले अपने विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित किए हैं। उन्होंने बताया कि शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र के 20 और शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के 10 विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित कर दिए गए हैं। निगमायुक्त ने बताया कि निगम स्कूलों में किचन गार्डन बनाना एक सजग प्रयास है जिसके माध्यम से बच्चों में पोषक तत्वों के बारे में जानकारी मिलेगी और छात्रों को स्कूल और उनके घरों में फल और सब्जी उगाने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा। इसके साथ ही प्रकृति और बागवानी के बारे में उनका प्रत्यक्ष अनुभव होगा।

विकास आनंद ने बताया कि इस कार्य के तहत पूर्वी निगम के विभिन्न विद्यालयों में आम,आंवला, अनार, पपीता, सहतूत जामुन आदि और गाजर, धनिया, टमाटर, फूलगोभी, मूली, पालक, मेथी, सरसों बैगन जैसी सब्जियां लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग और स्कूलों के शिक्षकों के सहयोग से इन किचन गार्डन में मौसम के चक्र के अनुसार सब्जियां और फल उगाए जाएंगे जिनका उपयोग मिड डे मील में भी किया जाएगा।

प्रदेश भाजपा दिल्ली को भक्तिमय बनाने के लिए तैयार: आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिव्य काशी-भव्य काशी को लेकर दिल्ली भाजपा ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्वनाथ मंदिर कॉरीडोर का लोकार्पण 13 दिसंबर को होने वाला है जिसके लिए दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर इस कार्यक्रम को लाइव प्रसारण कराने का आयोजन किया जा रहा है। गुप्ता ने बताया कि 13 दिसंबर को होने वाले लोकार्पण कार्यक्रम को दिखाने के लिए उसका प्रसारण दिल्ली के 295 अलग-अलग स्थानों पर बड़े पर्दों पर किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के सभी मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाया गया और मंदिरों को साफ किया गया। 13 दिसंबर को दिल्ली के साधू-संत, समाज के प्रबुद्धजन समाज सेवाए अन्य गणमान्य और बड़ी संख्या में इन मंदिरों में उपस्थित होंगे और काशी से होने वाले कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण देख सकेंगे। नवीन कुमार ने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निमाण पहली बार इंदौर की रानी अहिल्याबाई होलकर ने किया था और उसके ठीक 250 साल बाद अगर मंदिर का पुनर्निमाण संभव हो पाया है।

दिल्ली में मिला ओमीक्रोन का दूसरा मामला

जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करने के बाद पहुंचा था दिल्ली

■ नई दिल्ली

देश में बढ़ते कोरोना के खतरे के बीच राजधानी दिल्ली में शनिवार को ओमीक्रोन का दूसरा मामला सामने आया। जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय संक्रमित व्यक्ति जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करने के बाद दिल्ली पहुंचा था। व्यक्ति वैक्सीन की दोनों डोज ले चुका है। उधर, दिल्ली में ओमीक्रोन का एक और मिलने के बाद देश में इससे जुड़े मामलों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है। दिल्ली सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर व्यक्ति की कोरोना जांच हुई जिसमें उसके ओमीक्रोन से संक्रमित होने की बात सामने आई। सरकार ने बताया कि व्यक्ति की ट्रैवल हिस्ट्री खंगालने पर पता चला कि, संक्रमित व्यक्ति जिम्बाब्वे से यात्रा करके भारत लौटा है और इसके साथ वह दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर भी गया था। जानकारी में ये बात भी सामने आई कि, व्यक्ति वैक्सीन की दोनों डोज ले चुका था लेकिन इसके बाद भी वह जांच में संक्रमित निकला। संक्रमित पाए जाने के बाद व्यक्ति को दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। व्यक्ति को केवल कमजोरी है।

लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुरेश कुमार का कहना है कि ओमीक्रोन वेरिएंट से संक्रमित मरीज में अभी लक्षण नहीं है। हालांकि, उसे शरीर में कमजोरी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह 10 मरीजों की जीनोम सीक्वेंसिंग रिपोर्ट मिली जिसमें 35 साल का यह मरीज ओमीक्रॉन संक्रमित पाया गया। अन्य नौ मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। हालांकि, कोरोना संक्रमित होने के कारण सभी को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

ओमीक्रोन के खतरे के बावजूद बिना मास्क घूम रहे लोग

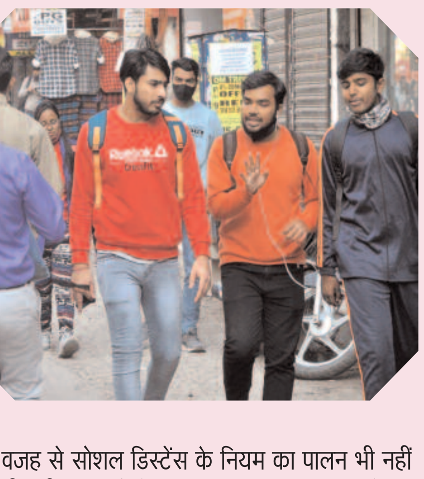

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रोन के तेजी से बढ़ते हुए खतरे के बावजूद लोग सुधरने को तैयार नहीं हैं। रेलवे स्टेशनों पर रेल यात्री हो या बाजारों में आम लोग सब बिना मास्क लगाये घूम रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने आनेवाले यात्री कोरोना से बेफिक्र होकर बिना मास्क व सोशल डिस्टेंस के ही यात्रा कर रहे हैं। उधर, बात दिल्ली के बाजारों की कि जाए तो सदर बाजार से लेकर चांदनी चौक, दरियागंज व जामा मस्जिद समेत अन्य बाजारों में भी खरीदारी के लिए पहुंच रहे लोगों की वजह से भीड़ हो रही है। इसकी वजह से सोशल डिस्टेंस के नियम का पालन भी नहीं हो रहा है और बड़ी संख्या में लोग मास्क भी नहीं लगा रहे हैं। उधर, प्रशासन का कहना है कि सिविल डिफेंस की टीमों को लगाया गया है, जो नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। बाजारों में लोगों को कोरोना के लिए जारी दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए भी जागरुक किया जा रहा है।

दुकानदारों को भी बाजार में नियमों का पालन कराने के लिए जागरुक किया जा रहा है। उधर, दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस में शनिवार को घूमने और खरीदारी करने के लिए आने वाले लोग नियमों का पालन करते हुए नहीं दिखे। आउटर और इनर सर्कल पर लोग बिना मास्क के लोग दिखे। वहीं, सेंट्रल पार्क के अंदर भी युवा मास्क नहीं लगा रहे हैं। युवक अपने दोस्तों के साथ बेफिक्र होकर वीडियो बना रहे हैं और फोटो शूट करा रहे हैं।

स्कूलों के नन्हे बिजनेस स्टार्स को मिल रही शानदार सफलता

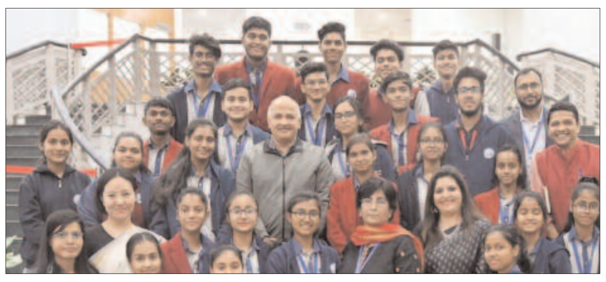

■ नई दिल्ली

दिल्ली के सरकारी स्कूलों के नन्हे बिजनेस स्टार्स को इन दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों पर शानदार सफलता मिल रही है। 60 करोड़ रुपए की सीड मनी के साथ 11वीं-12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 3 लाख छात्र 51,000+ बिजनेस आइडियाज पर काम कर रहे हैं। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को बिजनेस ब्लास्टर्स शो के पहले 2 एपिसोड में भाग लेने वाले छात्रों के साथ संवाद किया और उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स को लेकर सरकार का विजन सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में ग्रोथ माइंडसेट डेवलप करना है। उनमे एंत्रप्रेन्योर माइंडसेट विकसित करना है ताकि वे जॉब सीकर के बजाय जॉब प्रोवाइडर्स बन सकें। और अगर नौकरी करे भी तो खुद नौकरियों की लाइन में न लगे हो बल्कि उन्हें नौकरी देने के लिए कंपनियां लाइन में लगी हो।

▶▶ उपमुख्यमंत्री ने छात्रों के साथ संवाद किया उनका उत्साहवर्धन

उन्होंने कहा कि बच्चों में इस माइंडसेट को केवल छोटी उम्र में ही डेवलप किया जा सकता है जब वे स्कूल में हों इसलिए सरकार अपने माइंडसेट करिकुलम के साथ दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में ग्रोथ माइंडसेट विकसित कर रही है ताकि ये बच्चे भारत को विकसित देश बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उधर, सिसोदिया से बातचीत के दौरान बच्चों ने साझा किया कि उन्हें उनके सोशल मीडिया हैंडल पर प्रतिक्रियाएं मिली हैं, जहां लोगों ने उनके आइडियाज में इनवेस्टमेंट करने का प्रस्ताव रख रहे और उनकी टीम में शामिल होना चाहते हैं।

लॉर्ड बुद्धा इंडिया पीस एंड टूरिज्म मित्र अवॉर्ड से सम्मानित हुए गौतम

भारत में समतामूलक समाज की स्थापना करने का हमने लिया है संकल्पः मंत्री

■ नई दिल्ली

दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम को एसोसिएशन ऑफ बौद्ध टूर ऑपरेटर्स (एबीटीओ) की और से लॉर्ड बुद्धा इंडिया पीस एंड टूरिज्म मित्र अवॉर्ड 2021 से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार ने मानवता, शांति, प्रकृति, संस्कृति और दुनिया भर में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रचार के लिए उनके उत्कृष्ट कार्य को मान्यता दी। बता दें कि एबीटीओ द्वारा बोधगया में इस पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें विभिन्न देशों और राज्यों के 200 से अधिक विद्वान, व्यापार भागीदार और 50 से अधिक प्रदर्शक उपस्थित थे। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद राजेंद्र पाल गौतम ने डॉ. बीआर अम्बेडकर को अंबेडकर नेशनल मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मिशन जय भीम और अन्य संगठनों के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। जिन्होंने उन्हें उनके पुरस्कार के लिए बधाई दी। इस अवसर पर मंत्री गौतम ने कहा जब तक जाति रहेगी तब तक उत्पीड़न रहेगा। जाति की वजह से हजारों साल तक देश के करोड़ों लोगों ने उत्पीड़न झेला है, वह शोषण के शिकार रहे हैं, शिक्षा व्यापार और संपत्ति से वंचित रहे हैं। डॉ अंबेडकर ने हजारों साल की गुलामी से उन्हें आजाद करा कर उनके पढ़ने लिखने नौकरियों और विकास के रास्ते खोल दिए हैं। किंतु आज भी देश के कोने-कोने में जातिगत उत्पीड़न जारी है। विषमता पर आधारित व्यवस्था बार-बार ऐसी घटनाएं करती है जिससे देश शर्मसार होता है। हमने संकल्प किया है कि भारत में समतामूलक समाज की स्थापना करनी है। जब तक देश के अंदर क्षमता मैत्री व भाईचारे पर आधारित न्यायपूर्ण समाज की स्थापना में हो जाए जब तक सबको समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर न मिल जाए तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

नजफगढ़ क्षेत्र में उकेरी गई दिल्ली की सबसे लंबी चित्रकारी

■ नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने नजफगढ़ क्षेत्र के महिपालपुर बाईपास रोड पर स्थित एक सार्वजनिक दीवार पर भित्ति चित्र उकेरने की प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता के बारे में बताते हुए दक्षिणी निगम के नेता सदन इंद्रजीत सहरावत ने कहा कि यह प्रतियोगिता दिसंबर माह के पहले सप्ताह में आयोजित की गई थी। शनिवार को वसंतकुंजज स्थित वाटिका पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को प्रथम स्थान वालो को 11000 रूपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 9000 रूपए, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 7000 रूपए पुरस्कार स्वरूप दिए गए। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए महिपालपुर बाईपास रोड पर स्थित एक 600 मीटर लंबी सार्वजनिक दीवार को चुना गया। इस दीवार पर प्रतियोगियों ने 8 फीट की दीवार पर अपने-अपने भित्ति चित्र उकेरे हैं। प्रतियोगिता में 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया और उनके द्वारा 215 चित्र उकेरे गए जिन्हें 10,320 वर्ग फीट क्षेत्र में बनाया गया है।

इंद्रजीत सहरावत ने कहा कि इन चित्रों को बनाने के पीछे दक्षिणी निगम का उद्देश्य नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण,भूमंडलीय ताप का बढ़ना, कोरोना योद्धाओं का सम्मान, स्वच्छता के लिए जागरूक करना एवं अन्य सामाजिक मुद्दों के लिए जागरूक करना है।

पानी में खेल करने पर डीजेबी के 10 कर्मचारियों पर गिरी गाज

● एजेंसी के भी 20 कर्मचारियों को किया बर्खास्त, होगी एफआईआर

■ नई दिल्ली

पानी की गलत मीटर रीडिंग करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने अपने 10 कर्मचारी को निलंबित किया है, जबकि मीटर रीडिंग करने वाली एजेंसी के 20 कर्मचारियों को बर्खास्त कर सभी पर एफआईआर करने के आदेश दिए हैं। दरअसल, पानी की गलत मीटर रीडिंग की शिकायत आने पर जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येन्द्र जैन को मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सख्ती के आदेश दिए थे। गलत मीटर रीडिंग मिलने पर संबंधित आउटसोर्स एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा गया है कि क्यों न कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया जाए। सत्येंद्र जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश पर डीजेबी जनता के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता को होने की किसी भी परेशानी पर सख्त कार्रवाई होगी। डीजेबी अध्यक्ष ने बताया कि गलत मीटर रीडिंग लेने के मामलों में दोषी पाए गए 30 मीटर रीडर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। आदेश में कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि दिल्ली जल बोर्ड द्वारा आउटसोर्स की गई एजेंसी के माध्यम से लगे कुछ मीटर रीडर उपभोक्ताओं के मीटर की गलत रीडिंग/बिलिंग करते हुए पाए गए हैं। इसलिए निदेशक (राजस्व) को ये निर्देश दिया जाता है कि वो ऐसी किसी भी अवैध गतिविधियों में शामिल ऐसे मीटर रीडरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करें। इसके अलावा उन्होंने निदेशक (राजस्व) को ये निर्देश दिया कि वो पकड़े गए सभी अधिकारियों/मीटर रीडरों को बर्खास्त कर उनके खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराए। इसके अलावा, संबंधित आउटसोर्स एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे पूछा गया है कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जा और क्यों न उनकी कंपनी को ब्लेकलिस्ट किया जाए। बता दें कि हाल ही में गलत मीटर रीडिंग कि शिकायतों को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने ये फैसला लिया था कि ग्राहकों का पानी का बिल पिछले महीने के मुकाबले 1.5 गुना से ज्यादा नहीं हो सकता। यदि यह इससे अधिक हो जाता है, तो उन्हे जल बोर्ड की तरफ से एक स्पष्टीकरण दिया जाएगा। इसके तर्ज पर ग्राहक शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इसके अलावा, राजस्व अधिकारियों द्वारा सिस्टम में रेंडम आधार पर रोजाना मीटर रीडिंग इमेज ऑडिट किया जाएगा। जिससे सिस्टम में हेर-फेर की संभावना न के बराबर हो जाएगी। इससे मौजूदा बिलिंग प्रणाली से संबंधित सभी खामियों को भी दूर किया जा सकेगा।

सरकार पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुधार करे: नेता प्रतिपक्ष

■ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने केजरीवाल सरकार से कहा है कि वह दिल्ली को सिंगापुर बनाने की बातें करने की बजाय पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधार करे। उसके बाद दिल्ली में कोई भी मॉडल काम करने लगेगा। उन्होंने कहा कि जब तक जनता को पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुलभ नहीं होगा,तब तक दिल्ली के लोग निजी गाड़ियों में चलने पर मजबूर होते रहेंगे। ऐसी हालत में प्रदूषण पर नियंत्रण करना असंभव ही है। बिधूड़ी ने सेंटर फार एनवायरमेंट यानी सीएसई की अध्यक्ष सुनीता नारायण के उस वक्तव्य पर टिप्पणी की है जिसमें कहा गया है कि दिल्ली में सिंगापुर जैसा ट्रांसपोर्ट सिस्टम लागू किया जाना चाहिए जिसमें लोगों के लिए अपनी गाड़ी रख पाना बहुत मुश्किल कर दिया जाता है।

बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार भी बार-बार दिल्ली को सिंगापुर जैसा बनाने की बातें करती है लेकिन सीएसई को यह बात दिल्ली सरकार को समझानी चाहिए कि जब तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट नहीं सुधरेगा, तब तक जनता के पास अपनी गाड़ी में यात्रा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

मानव मूल्यों के संरक्षण पर जोर देने की जरुरत: गोयल

■ नई दिल्ली

हमें मानव मूल्यों के संरक्षण और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोटी व रोजगारी की आवश्यकता पर जोर देने की जरुरत है।

यह कहना है दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल का। शनिवार को इंटरनेशनल ह्यूमन राइट यूनियन की ओर से दिल्ली में मानवाधिकार दिवस के मद्देनजर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बात कही। इस कार्यक्रम में राम निवास गोयल के अलावा, उत्तराखंड हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश राजेश टंडन, सांसद प्रताप सारंगी, अल्पसंख्यक आयोग की न्यायमूर्ति कुरियन और अरुणाचल के पूर्व मुख्य सचिव रमेश नेगी, विचारक सुनील देवधर, डॉक्टर के यस भाटी ने अपने विचार व्यक्त किए। वहीं, समाज में उत्कृष्ट सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी निर्वहन करने वाले डीसीपी राजीव रंजन, मानवाधिकार आयोग के कानूनी सलाहकार ए के सिंह, पद्मश्री जितेंद्र शंटी, आईपीएस अधिकारी अजय चौधरी, डॉ. पंकज अभय रंजन, आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में मनोज सेठी, अतुल सेठ, वाइस चेयरमैन युगुल किशोर द्विवेदी, महासचिव संदीप स्नेह, उपाध्यक्ष शिवेंदु, विजय गुप्ता ने अपने विचार रखे।

खुशी 15 दिसंबर तक खाली हो जाएगा गाजीपुर बॉर्डर, फिर से हाईवे पर फर्राटा भरेंगे वाहन

गाजीपुर बॉर्डर से लौटने लगे किसान

आंदोलन समाप्त नहीं, स्थगित

कृषि कानून की वापसी के बाद भी किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत कई मांगों को लेकर धरने पर जमे रहे थे। लेकिन अब सरकार ने एक चिट्ठी भेजकर उनकी सभी मांगों को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया है। संयुक्त किसान मोर्चा, भारतीय किसान यूनियन समेत कई किसान संगठन अपनी मांगों को लेकर साल भर सरकार से वार्ता करते रहे। संयुक्त किसान मोर्चा की माने तो उन्होंने आंदोलन समाप्त नहीं किया है, बल्कि स्थगित किया है, अगर सरकार अपने वायदे से पीछे हटती है कि तो किसान फिर से दिल्ली में अपनी धमक दिखा सकते हैं।

■ नई दिल्ली

किसानों के प्रदर्शन स्थल में से एक गाजीपुर बॉर्डर पर शनिवार को सीढ़ी, तिरपाल, डंडे और रस्सियां बिखरी पड़ी थीं क्योंकि कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन खत्म होने के बाद किसानों ने अपने तंबू उखाड़ लिए, अपना सामान बांध कर उन्हें ट्रकों पर लादना शुरू कर दिया है। जोश पैदा करने के लिए वे लगातार बोले सो निहाल का नारा लगा रहे थे। 40 किसान यूनियन की संस्था संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने बृहस्पतिवार को प्रदर्शन खत्म करने की घोषणा की थी। केंद्र के कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर एक साल पहले उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। सरकार द्वारा विवादास्पद कानूनों को वापस लेने के हफ्तों बाद किसान शनिवार की सुबह घर जाना शुरू कर दिया। युवा और बुजुर्गों ने पिछले एक साल में दिल्ली-करनाल सड़क के लंबे धूल भरे खंड पर बनाए गए मजबूत अस्थाई ढांचे को तोड़ने के लिए हाथ मिलाया। गाजियाबाद मंडल सयुक्त किसान मोर्चा के नेता संदीप चौधरी ने कहा हम सरकार के फैसले से बहुत खुश है। इसी लिए अब हम सब अपने अपने घरों के निकल रहे है। दिल्ली बॉर्डर से किसानों की रवानगी शुरू हो गई है, शनिवार सुबह किसान नेता राकेश टिकैत ने किसानों के पहले जत्थे को बिजनौर के लिए रवाना किया। गाजीपुर बॉर्डर पर किसान पिछले एक साथ से कृषि कानूनों की वापसी समेत अन्य मांगों को लेकर एक साल से डटे हुए थे। टिकैत ने कहा कि गाजीपुर बॉर्डर 15,16 दिसंबर तक खाली हो जाएगा।

देशभक्ति गीतों पर नाचे किसान

एक साल से ज्यादा वक्त से चल रहे किसान आंदोलन की अब घर वापसी शुरू हो गई है जिसको लेकर दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डर पर किसानों ने तैयारी भी शुरू कर दी है, लेकिन मोर्चा खत्म होने से एक रात पहले और शनिवार को आंदोलनकारी किसान देशभक्ति गानों की धुनों पर गाजीपुर बॉर्डर पर जश्न मनाते नजर आए।

शादी जैसा बनाया गया खाना

- शामली से आए किसानों ने शनिवार को गाजीपुर बॉर्डर पर पूड़ी, सब्जी और देसी घी का हलवा बनाया। यहां के लंगर में मौजूद किसान बताते हैं कि उनके गांव में शादी के पहले हल्दी और दूसरे रीति रिवाज में जिस तरह का खाना बनाया जाता है उसी तरह का खाना तैयार किया गया।

वहीं गाजियाबाद से आए कैनटीन संचालक ने बताया कि किसानों की सेवा में मैने पिछले एक साल से अपनी पूड़ी बनाने की मशीन यहां लगाई थी लेकिन अब आंदोलन खत्म होने के बाद अब हम इसे अपनी कैनटीन में दोबारा से लगाएगें।

चालीस बनाम चार साल

भारतीय राजनीति में दशक बनाम वर्ष का नारा पुराना है। इस बार योगी सरकार ने तथ्यों एवं प्रमाणों के आधार पर इस मुद्दे को उठाया है। मेडिकल कॉलेज, एयर पोर्ट एक्सप्रेस वे आदि पर पर सत्तर वर्ष के मुकाबले पांच वर्ष की उपलब्धि के आंकड़े दिए गए। वाण सागर सहित दशकों से लंबित सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण की गईं। इस क्रम में एक नाम और जुड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरयू नहर सिंचाई योजना का लोकार्पण करेंगे। चालीस वर्षों में इस पूरी परियोजना का करीब बावन प्रतिशत ही कार्य ही किया गया था। इसके विपरीत विगत पांच वर्षों के बीच सरयू नहर परियोजना का शेष अड़तालीस प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया। नौ जनपदों के बीच साढ़े छह सौ किलोमीटर से अधिक लंबी नहर प्रणाली बनायी गयी है। घाघरा नदी को सरयू नदी से सरयू को राप्ती नदी से, राप्ती को बाणगंगा नदी से, बाणगंगा को रोहिन नदी के साथ जोड़कर पूरी नहर प्रणाली विकसित की गयी है। यह परियोजना नदी जोड़ो अभियान का बेहतरीन उदाहरण है। परियोजना से प्रदेश के नौ जनपदों के चौदह लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल को सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी। इससे लगभग तीस लाख किसान लाभान्वित होंगे।

केंद्र व उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकारों को दशकों से लंबित अनेक परियोजनाओं को पूर्ण करने का श्रेय प्राप्त है। इस अवधि में सिंचाई योजना के माध्यम से भारत सरकार द्वारा राज्य सरकारों को व्यापक रूप से धनराशि उपलब्ध कराई गई। इससे सिंचाई की बेहतर सुविधा सृजित करने में और तेजी आयी है। वर्तमान राज्य सरकार ने इसका भरपूर लाभ उठाया है। इसी का परिणाम है कि केंद्र सरकार के सहयोग से सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना अब बनकर पूरी हो चुकी है। नरेंद्र मोदी का शनिवार 11 दिसंबर को ही जनपद बलरामपुर में सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना के लोकार्पण का कार्यक्रम बना। यह परियोजना जनपद बहराइच, श्रावस्ती, गोण्डा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर तथा महराजगंज तक नौ जनपदों को जोड़ती है। सरयू नहर की योजना वर्ष 1972 में बन गयी थी। वर्ष 1978 में इस पर कार्य प्रारंभ हुआ। प्रारंभिक रूप से देवीपाटन मंडल के तीन जनपदों में यह कार्य किया जाना था। 1982 में इस परियोजना का विस्तार नौ जनपदों तक कर दिया गया। लगभग चालीस वर्षों में इस परियोजना का आधा अधूरा कार्य किया गया। योगी आदित्यनाथ सरकार ने इसे लोकापर्ण की स्थिति तक पहुंचाया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस योजना का लाभ प्राप्त होने से इस क्षेत्र के किसानों की आमदनी में कई गुना वृद्धि होगी। उनके जीवन में खुशहाली आएगी। प्रधानमंत्री ने किसानों की आमदनी दोगुना करने का संकल्प लिया था। उस संकल्प को सिद्ध करने की दृष्टि से यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सिंचाई सुविधाओं के साथ योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन व पर्यटन विकास की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किया है। प्रयागराज में भव्य दिव्य कुंभ के आयोजन से सरकार ने दुनिया को एक संदेश दिया था। इसके साथ ही काशी-अयोध्या -मथुरा आदि स्थानों का विकास किया जा रहा है। काशी में श्री विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का उद्घाटन 13 दिसंबर को होगा। विंध्याचल कॉरिडोर का निर्माण प्रगति पर है। प्रदेश सरकार ने ब्रज क्षेत्र की धरोहरों की पुनर्प्रतिष्ठा हेतु उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन किया है। ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है। सरकार ने मथुरा वृंदावन को नगर निगम का दर्जा प्रदान किया है। वृंदावन बरसाना, नंदगांव गोवर्धन,राधाकुंड गोकुल तथा बलदेव को तीर्थ स्थल घोषित किया है। योगी आदित्यनाथ ने मथुरा की मांट तहसील में दो सौ करोड़ रुपए से अधिक लागत की करीब दो सौ विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मथुरा से प्रदेश के विभिन्न जनपद अच्छी सड़कों के माध्यम से जुड़ चुके हैं। प्रदेश में विभिन्न एक्सप्रेस वे, हाईवे, सड़कों के निर्माण, मेट्रो एवं एयरपोर्ट के विकास के साथ नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को विकसित करते हुए आधारभूत अवसंरचना को मजबूत किया गया है। लोगों की आस्था के अनुरूप अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण प्रगति पर है। प्रदेश के सभी क्षेत्रों में बिना भेदभाव के निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा रही है। सही मायनों में यह विद्युत प्रकाश उत्तर प्रदेश में विकास की उजास की तरह है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

आघाड़ी के शिल्पवर,महाराष्ट्र के प्यार
वीर मराठा,जौहरी,भाऊ शरद पवार
भाऊ शरद पवार,चाल कोई ना जाने
कलयुग का चाणक्य,तुम्हीं को भारत माने
कह सुरेश निज दम पर खींच रहा है गाड़ी
तेरे बिनु इक पग भी चल न सके आघाड़ी

यूपी की राजनीति में क्यों हाशिए पर पहुंच गए मुसलमान

उत्तर प्रदेश की 403 सीटों वाली मौजूदा विधानसभा में कुल जमा 25 विधायक मुसलमान हैं। 24 विधायक 2017 के विधानसभा चुनाव में जीते थे और एक विधायक 2018 के उपचुनाव में जीता था। इनमें सबसे ज्यादा 18 समाजवादी पार्टी के हैं। एसपी ने आम चुनाव में 47 सीटें जीती थीं, उसके 17 मुस्लिम विधायक जीते थे। बाद में 2018 में एसपी-बएसपी गठबंधन से एसपी का एक और विधायक जीत गया था। वहीं बहुजन समाज पार्टी के कुल 19 विधायकों में 5 मुस्लिम जीते थे, जबकि कांग्रेस के जीते 7 विधायकों में से 2 मुसलमान हैं।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के नजदीक आने के साथ ही सियासी सरगर्मियां दिनों दिन तेज होती जा रही हैं। आबादी और विधानसभा की सीटों के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में ठंड बढ़ने का बादजूद सियासी पारा चढ़ा हुआ है। चुनाव में गरीबी, महंगाई, बेराजगारी, कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर संप्रदायिक मुद्दों को हावी करने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। सूबे की दूसरी बड़ी आबादी यानि मुसलमानों को खलनायक बनाकर पेश किया जा रहा है, जबकि सच्चाई ये है कि सूबे की सियासत में ये दूसरी बड़ी आबादी पूरी तरह हाशिए पर पहुंच चुकी है।

किसी राज्य में कोई धार्मिक या जातीय समूह राजनीतिक रूप से कितना मजबूत या कमजोर है, इसक अंदाजा विधानसभा और लोकसभा में उस समूह के प्रतिनिधित्व से लगाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश की 403 सीटों वाली मौजूदा विधानसभा में कुल जमा 25 विधायक मुसलमान हैं। 24 विधायक 2017 के विधानसभा चुनाव में जीते थे और एक विधायक 2018 के उपचुनाव में जीता था। इनमें सबसे ज्यादा 18 समाजवादी पार्टी के हैं। एसपी ने आम चुनाव में 47 सीटें जीती थीं, उसके 17 मुस्लिम विधायक जीते थे। बाद में 2018 में एसपी-बएसपी गठबंधन से एसपी का एक और विधायक जीत गया था। वहीं बहुजन समाज पार्टी के कुल 19 विधायकों में 5 मुस्लिम जीते थे, जबकि कांग्रेस के जीते 7 विधायकों में से 2 मुसलमान हैं।

2017 के विधानसभा चुनाव में जीते कुल 24 विधायकों में से आधे से भी ज्यादा 14 लगातार दूसरी बार जीते थे। यानि वो 2012 में भी विधायक थे, जबकि छह विधायक लगातार तीसरी बार जीते थे। बाकी 4 पहली बार जीते थे, पिछली विधानसभा में एक भी मुस्लिम महिला विधायक नहीं बन पाई थी। मुस्लिम वोटों पर हक जमाने के लिए यूपी के चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन, पीस पार्टी और राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल जैसी पार्टियां पिछले चुनाव में खाता तक नहीं खोल पाई थीं। पीस पार्टी ने तो 2012 के चुनाव में जीती अपनी 4 सीटें भी गंवा दी थीं, 2012 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद सबसे ज्यादा 67 मुस्लिम विधायक जीते थे। बाद में इनकी संख्या 69 हो गई थी, इनमें से करीब 45 विधायक समाजवादी के थे। तब सूबे की 18.5 प्रतिशत मुस्लिम आबादी को विधानसभा में 17.1 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिला था, लेकिन 2017 में ये घट कर 5.9 प्रतिशत रह गया। आबादी के हिसाब से यूपी की मौजूदा विधानसभा में मुसलमनानों का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। ये आंकड़ बताते हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव में यूपी में भाजपा की प्रचंड जीत के साथ ही मुसलमान राजनीति के हाशिए पर पहुंच गए थे। हालांकि इससे पहले 1993 और 1974 में भी मुसलमानों को ठीक इतना ही प्रतिनिधित्व मिला था। हालांकि 1967 में इससे भी कम 5.4 प्रतिशत और सबसे कम 1991 में महज 17 मुस्लिम विधायक ही जीते थे। तब विधानसभा में सबसे कम 4.1 प्रतिशत मुस्लिम प्रतिनिधित्व रहा था। आजादी के बाद उत्तर प्रदेश की विधानसभा में मुसलमानों का प्रतिनिधितव घटता बढ़ता रहा है। शुरू के चार विधानसभा चुनावों में मुसलमानों का प्रतिशत लगातार तेजी से गिरा। साल 1951-52 में हुए पहले आम चुनाव में उत्तर प्रदेश विधानसभा में 9.5 प्रतिशत यानि 41 मुस्लिम विधायक जीते थे। साल 1957 में हुए दूसरे चुनाव में 37 मुस्लिम विधायकों के साथ ये प्रतिशत घट कर 8.6 और 1962 के तीसरे चुनाव में 30 विधयकों की जीत के साथ और नीचे गिर कर महज़ 7 प्रतिशत रह गया। साल 1967 में चौथे विधानसभा में 23 मुस्लिम विधायकों की जीत के साथ उनका प्रतिशत 5.9 पर सिमट गया था। हालांकि 1969 में 29 मुस्लिम विधायकों की जीत के साथ ये बढ़कर 6.8 प्रतिशत हो गया। लेकिन 1974 के चुनाव में 25 विधायकों की जीत से ये फिर गिर कर 5.9 प्रतिशत पर पहुंच गया।

देश में आपातकाल लगने के बाद 1977 में हुए चुनाव में उत्तर प्रदेश में 49 मुस्लिम विधायकों से प्रतिनिधित्व बढ़कर 11.5 प्रतिशत हो गया था। साल 1979 में मुस्लिम विधायक 47 रह गए तो प्रतिशत 11.1 रह गया, लेकिन 1985 में फिर 49 मुस्लिम विधायक जीते, तो प्रतिनिधित्व 11.5 प्रतिशत हो गया। साल 1989 में सिर्फ 38 मुस्लिम विधायक ही जीत पाए तो प्रतिनिधित्व गिरकर 8.9 प्रतिशत रह गया। तब यूपी में कांग्रेस का सफाया हुआ था। जनता दल की सरकार बनी थी। मुलायम सिंह यादव पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। इन आंकड़ों से साफ है कि देश में आपातकाल लगने से हुई सियासी उथल पुथल के बाद मुसलमानों को सियासी तौर पर फायदा हुआ। विधानसभा में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ा और अच्छा खासा बढ़ा। लेकिन बाद में राजनीति की दशा और दिशा बदलने से इसमें उतार-चढ़ाव होता रहा।

1990 में वीपी सिंह की सरकार गिरने के बाद राजनीति में राम लहर चली। इसी पर सवार होकर 1991 के विधानसभा चुनाव में भाजपा पहली बार पूर्ण बहुमत से यूपी की सत्ता में आई। कल्याण सिंह मुख्यमंत्री बने। तब विधानसभा में मुस्लिम विधायकों का प्रतिशत महज़ 4.1 प्रतिशत रह गया। ये अबतक का सबसे कम आंकड़ा है। दूसरी बार ऐसा पिछले चुनाव मे आंकड़े बताते हैं कि सूबे में भाजपा के सियासी सीढ़ियां चढ़ने क साथ ही विधानसभा में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व घटा है। हुआ. साल 2017 के विधानसभा चुनाव में महज 24 मुस्लिम विधायक चुने गए। इस तरह विधानसभा में मुस्लिम विधायकों का प्रतिशत धराशायी हो कर 5.9 प्रतिशत पर आ गया। ये आंकड़ा सूबे की सियासत में मुसलमानों के खत्म होते सियासी वजूद का सुबूत है।

जहां भाजपा के वर्चस्व वाली राजनीति से मुसलमानों को राजनीतिक तौर पर नुकसान हुआ, वहीं दलित-पिछड़ों के मंडल वाली राजनीति से उन्हें थोड़ा फायदा हुआ। कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री रहते 6 दिसंबर 1992 अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराई गई। उसके बाद यूपी की सियासत मंडल और कमंडल में बंट गई. यूपी में भाजपा के खिलाफ जातीय आधार पर दलित-पिछड़ों के राजनीतिक गठबंधन की शुरुआत हुई। तब नई बनी समाजवादी पार्टी और यूपी की सियासत में धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रही बहुजन समाज पार्टी ने आपस में गठबंधन किया। 1993 में एसपी-बएसपी गठबंधन नें भाजपा की सत्ता में वापसी का रास्ता रोक दिया। इस चुनाव से विधानसभा में एक बार फिर मुसलमानों का प्रतिनिधित्व बढ़ना शुरू हुआ। तब 25 मुस्लिम विधायकों के जीत से प्रतिनिधित्व बढ़ कर 5.9 प्रतिशत हो गया। हालांकि 1995 में ये गठबंधन टूट गया था। बीएसपी ने एसपी का साथ छोड़, भाजपा के समर्थन से सरकार बना ली थी। मायावती मुख्यमंत्री बन गई थीं। लेकिन सूबे में सियासी हवा भाजपा के खिलाफ ही रही। 1996 में बीएसपी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में 33 मुस्लिम विधायक जीते तो प्रतिनिधित्व बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गया।

-यूसुफ अंसारी

देश की सुरक्षा गारंटी और मिसाइल प्रहार

अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है, लेकिन दुनिया को सबसे घातक हथियार देने वाला अमेरिका भी एक ब्रह्मास्त्र से खौफ खाता है। वो है रूस का एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम। पुतिन का ये हथियार तुर्की ने लिया तो अमेरिका ने उस पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए। भारत ने रूस से एस-400 खरीदने की डील साइन की तो अमेरिका का पारा हाई हो गया। असल में एस-400 की तैनाती का मतलब है, देश की सुरक्षा की गारंटी और इस मिसाइल के प्रहार का मतलब है, आसमान में अभेद्य कवच। दुश्मन के पास कितनी भी ताकतवर मिसाइल हों, कैसा भी फाइटर जेट हो, सीक्रेट तरीके से घुसपैठ करने वाला ड्रोन हो, एस-400 के रहते वो सरहद पार नहीं कर सकता।

रूस ने भारत को दुनिया के सबसे खतरनाक मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 की डिलीवरी शुरू कर दी है। एस-400 एक साथ तरह-तरह के खतरों से निपट सकता है। इसकी विशेष बात यह है कि सैकड़ों किलोमीटर दूर से ही ये दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकता है और पलक झपकते ही दुश्मन के मंसूबों पर पानी फेर देता है। यह मिसाइल सिस्टम एक साथ 36 ठिकानों पर तबाही मचा सकता है। इतना ही नहीं यह डिफेंस सिस्टम 4 तरीके की मिसाइलों से लैस है और 40 से 400 किलोमीटर दूरी तक घातक प्रहार कर दुश्मन को ढेर कर सकता है, यानी अगर इसकी तैनाती दिल्ली में की जाए तो दुश्मन के किसी विमान या मिसाइल को आगरा पहुंचने से पहले ही यह तबाह और बर्बाद कर देगा। एस-400 मिसाइल सिस्टम अलग-अलग तरह की चार मिसाइलों से लैस होता है। इसमें एक मिसाइल लॉन्ग रेंज की है, जो 400 किलोमीटर तक मार कर सकती है। दूसरी मिसाइल मीडियम रेंज की है, जो ढाई सौ किलोमीटर तक प्रहार कर सकती है। तीसरी मिसाइल मीडियम-शार्ट रेंज की है, ये 120 किलोमीटर तक हमला कर सकती है और चौथी मिसाइल शार्ट रेंज की है, ये 40 किलोमीटर के दायरे में दुश्मन को तबाह कर सकती है। यह डिफेंस सिस्टम सबसे एडवांस्ड राडारों से लैस है, जिससे ये 600 किलोमीटर की दूरी तक अपने 300 टारगेट्स का पता लगा सकता है और कुछ ही मिनटों में इन्हें ध्वस्त कर सकता है। ये बड़ी आसानी से एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाया जा सकता है और सिर्फ 5 मिनट के अंदर हमले के लिए तैनात किया जा सकता है। इसमें लगे मिसाइल सुपरसोनिक और हाइपरसोनिक हैं, जो करीब 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकते हैं। इतना ही नहीं जमीन से 35 किलोमीटर ऊपर आसमान में भी ये दुश्मन की किसी भी मिसाइल, राकेट या लड़ाकू विमान का खात्मा कर सकते हैं। एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम स्टील्थ मोड के 5वें जनरेशन फाइटर प्लेन तक को गिरा सकता है। अमेरिका के सबसे बड़े एडवांस्ड एफ-35 फाइटर जेट भी इससे बच नहीं सकते हैं। इस डिफेंस सिस्टम के मुख्य रूप से तीन हिस्से हैं, पहला हिस्सा है, टारगेट मैनेजमेंट रडार सिस्टम, जो दुश्मन की दूरी तय करता है। इसके बाद आता है कमांड सेंटर, जो दुश्मन के हमले की दूरी तय करके मिसाइल लॉन्चर को हमले का निर्देश देता है और तीसरा हिस्सा है मिसाइल लॉन्चर, जिसमें से मिसाइल अपने टारगेट पर हमला करने के लिए निकल पड़ती है। यह एक सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम है, यानी ये सतह से हवा में मार करने वाला दुनिया का सबसे आधुनिक और सबसे प्रभावी मिसाइल सिस्टम माना जाता है। अगर भारत इस मिसाइल डिफेंस सिस्टम को कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो ये एस-400 एक बार में उसके 32 विमानों को मार कर नीचे गिरा सकता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय सेना को एस-400 क्षमता के रूप में एक ऐसी मारक क्षमता मिली है, जिसका जवाब अब तक कोई देश ढूंढ़ नहीं पाया है। इस डिफेंस सिस्टम के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं, पहला सीमा पर इस डिफेंस सिस्टम की तैनाती से चीन और पाकिस्तान पर होने वाला असर, क्योंकि यही दो हमारे दुश्मन देश हैं और दूसरा पहलू है अमेरिका, क्योंकि अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से ये मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदे। इस संबंध में अमेरिका में वर्ष 2017 में एक कानून लाया गया था, ताकि अगर कोई देश विरोध के बावजूद रूस से कोई रक्षा सौदा करता है तो उस देश पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। सवाल यह है कि क्या अमेरिका अब भारत पर भी प्रतिबंध लगाएगा?

-रंजना मिश्रा

किसानों की हित-रक्षा जरूरी

लगभग साल भर से चल रहा किसान आंदोलन अब स्थगित हो गया है। इस पर किसान तो खुश हैं ही, सरकार उनसे भी ज्यादा खुश है। सरकार को यह भनक लग गई थी कि यदि यह आंदोलन इसी तरह चलता रहा, तो उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड के चुनावों में भाजपा को भारी धक्का लग सकता है। यदि उत्तर भारत के इन प्रांतीय चुनावों में भाजपा मात खा जाए, तो सबको पता है कि दिल्ली में उसकी गद्दी भी हिल सकती है। भाजपा का यह भय स्वाभाविक था, लेकिन हम यह भी न भूलें कि इस किसान आंदोलन को आम जनता का समर्थन नहीं के बराबर था। वास्तव में यह आंदोलन उक्त तीन-चार प्रदेशों के मालदार किसानों का था, जो गेहूं और चावल की सरकारी खरीद पर मालदार बने बैठे हैं। इन किसानों को छोटे और गरीब किसानों के समर्थन या सहानुभूति का मिलना स्वाभाविक था। लेकिन यह मानना पड़ेगा कि किसान नेताओं ने इस आंदोलन को अहिंसक बनाए रखा और इतने लंबे समय तक चलाए रखा। इसने नरेंद्र मोदी की मजबूत सरकार को झुकने के लिए मजबूर कर दिया। यह वास्तव में भारतीय लोकतंत्र की विजय है। इस आंदोलन के खत्म होने से दिल्ली, हरियाणा और पंजाब की जनता को भी बड़ी राहत मिल रही है। इन प्रदेशों के सीमांत पर डटे किसानों के तंबुओं ने कई प्रमुख रास्ते रोक दिए थे। सरकार ने किसानों की मांगों को मोटे तौर पर स्वीकार कर ही लिया है। उसने तीनों कानून वापस ले लिए हैं। मृत किसानों को मुआवजा देना, पराली जलाने पर आपत्ति नहीं करना, बिजली की कीमत पर पुनर्विचार करना, उन पर लगे मुकदमे वापस करना आदि मांगें भी सरकार ने मान ली हैं। सबसे कठिन मुद्दा है-सरकारी समर्थन मूल्य का। इस पर सरकार ने कमेटी बना दी है, जिसमें किसानों का भी समुचित प्रतिनिधित्व रहेगा। यह बहुत ही उलझा हुआ मुद्दा है। अभी तो सरकार बढ़ी हुई कीमतों पर गेहूं और चावल खरीदने का वादा कर रही है, लेकिन लाखों टन अनाज सरकारी भंडारों में सड़ता रहता है और करदाताओं के अरबों रुपए हर साल बर्बाद होते हैं। यह ऐसा मुद्दा है, जिस पर मालदार किसानों से दो-टूक बात की जानी चाहिए। ताकि उनका नुकसान न हो और सरकार के अरबों रुपये भी बर्बाद न हों। सरकार को सबसे ज्यादा उन 80-90 प्रतिशत किसानों की हालत बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए, जो अपनी खेती के दम पर किसी तरह जिंदा रहते हैं। यह तभी हो सकता है, जबकि सरकार इन किसानों के साथ सीधे संवाद का कोई नया रास्ता निकाले। यह सवाद निर्भीक और किसान-हितकारी तभी हो सकता है, जबकि सरकार के सिर पर प्रांतीय चुनावों के बादल न मंडरा रहे हों। विपक्ष की मजबूरी है कि चुनाव की बेला में हर मुद्दे पर वह सरकार के विरोध को जमकर उकसाए लेकिन विपक्षियों से भी आशा की जाती है कि वे अपनी तात्कालिक लाभ-हानि से अलग हटकर देश के 80-90 प्रतिशत किसानों के हित की बात सोचेंगे।

-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

आज का कार्टून

साभार

ओमिक्रॉन पर राहत भरी खबर

अभी ओमिक्रॉन से संक्रमित रोगियों की संख्या दो दर्जन के करीब ही है। इस सबको देखते हुए यह आवश्यक है कि संक्रमण के प्रसार को रोकने के नाम पर ऐसे कोई कदम न उठाए जाएं जो आवागमन के साधनों को बाधित करें अथवा आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों को थामने का काम करें।

एक ऐसे समय जब कोरोना वायरस के बदले हुए प्रतिरूप ओमिक्रॉन को लेकर दुनिया भर में एक तरह के भय का माहौल है तब केंद्र सरकार की ओर से दी गई यह जानकारी राहत देने वाली है कि देश में इस वायरस से संक्रमित रोगियों में कोई गंभीर लक्षण नहीं दिखे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि अभी ओमिक्रोन से संक्रमित रोगियों की संख्या दो दर्जन के करीब ही है। इस सबको देखते हुए यह आवश्यक है कि संक्रमण के प्रसार को रोकने के नाम पर ऐसे कोई कदम न उठाए जाएं, जो आवागमन के साधनों को बाधित करें अथवा आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों को थामने का काम करें।

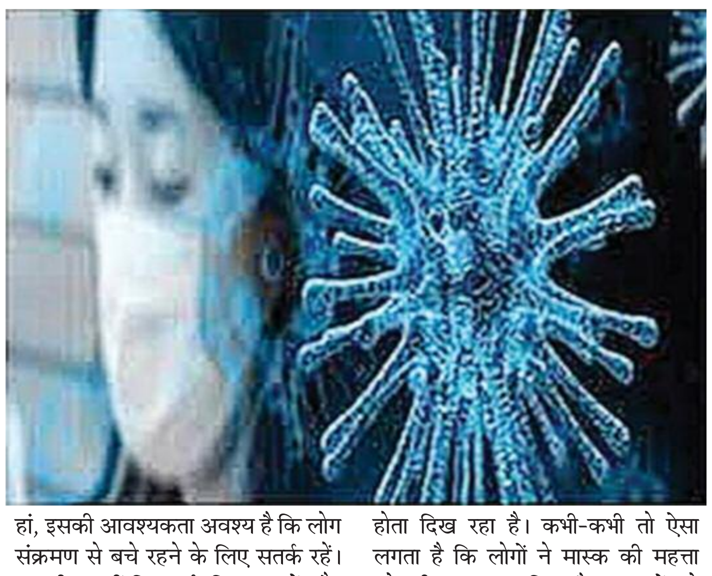

हां, इसकी आवश्यकता अवश्य है कि लोग संक्रमण से बचे रहने के लिए सतर्क रहें। यह ठीक नहीं कि सार्वजनिक स्थलों और सामाजिक-सांस्कृतिक एवं राजनीतिक समारोहों में अपेक्षित सतर्कता का परिचय नहीं दिया जा रहा है। चिंता की बात यह भी है कि मास्क का उपयोग लगातार कम होता दिख रहा है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि लोगों ने मास्क की महत्ता को पूरी तरह भुला दिया है। सरकारों को चाहिए कि वे लोगों को इसके लिए नए सिरे से सचेत करें कि अभी कोरोना संक्रमण से बचे रहने के लिए सतर्कता का परिचय देना आवश्यक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने संसद में यह भी जानकारी दी कि अभी तक 86 प्रतिशत पात्र लोगों को कोरोना टीके की पहली डोज दी चुकी है और इन सभी को दूसरी खुराक भी जल्द से जल्द देने का अभियान चल रहा है। यह अच्छा है कि उन्होंने आश्वासन दिया कि टीकाकरण के लक्ष्य को समय रहते हासिल कर लिया जाएगा, लेकिन उचित यह होगा कि बूस्टर डोज के बारे में जितनी जल्दी संभव हो फैसला लिया जाए। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि जिन लोगों ने इस वर्ष के प्रारंभ में ही टीके की दूसरी खुराक ले ली थी उनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होने अथवा खत्म होने का अंदेशा है। यह अंदेशा उन लोगों में ज्यादा है जो अधिक आयु के हैं। यह ठीक है कि सरकार की ओर से यह कहा गया है कि बूस्टर डोज को लेकर वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर फैसला लिया जाएगा, लेकिन यह काम बिना किसी देरी के होना चाहिए। दुनिया के अनेक देशों ने बूस्टर डोज की आवश्यकता को महसूस किया है और इसकी अनुमति भी दे दी है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सर्राफा व्यवसाई का उचक्के ने ले उड़े लाखों का सामान

(संवाददाता)

मेजा प्रयागराज । मेजा थाना सिरसा चौकी अंतर्गत नगर पंचायत सिरसा गुहट्टी मोहल्ला में रमेश चंद सेठ पुत्र स्वर्गीय शीतला प्रसाद सेठ का सराफा की

दुकान है रोज की तरह सुबह दुकान खोलें तभी दो आदमी पहुंचे कहा कि समान दिखाओ सर्राफा व्यवसाई समान दिखाते समय उनका फोन आया बात करने लगे तभी दोनों आदमी ने लाखों का सामान लेकर रफूचक्कर बने जब व्यवसाई ने देखा तो दोनों सामान लेकर निकल चुके थे सूचना पर मेजा थानाध्यक्ष तुषारदत्त त्यागी सिरसा चौकी इंचार्ज हरिशचंद शर्मा मय फोर्स मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे। सर्राफा व्यवसाई ने बताया कि एक सोने की अंगूठी चार सोने की लॉकेट,फुल्ली,चार सोने का झाला लेकर दोनों आदमी फरार हो गये।

धूमधाम से मेजा ब्लाक में संपन्न हुआ सामूहिक विवाह

(संवाददाता)

मेजा प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में गरीबों की स्थिति को देखते हुए उनके लाभ के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें सरकार द्वारा तमाम तरह की योजनाएं चला कर लाभान्वित कराए जाने की दिशा में कृत संकल्प दिखाई पड़ रही है। इसी कड़ी में प्रयागराज जनपद उरुवा ब्लाक, मेजा ब्लाक में गरीब लोगों के बेटियों का विवाह धूमधाम से कराया गया। धूमधाम से संपन्न हुआ विवाह पूरे प्रदेश के प्रत्येक जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रयागराज जिले के गरीब जनता की बेटियों के विवाह का आयोजन किया गया। प्रयागराज जनपद के मेजा ब्लाक में सामूहिक विवाह का आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ संपन्न हुआ मेजा ब्लाक में कुल 33 जोड़ों की धूमधाम से शादी समारोह संपन्न हुआ। इसमें जहां पर विधिवत पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार व सात फेरों के साथ एक दूसरे के वैवाहिक बंधन में बंधे,33 जोड़ें कन्याओ का विवाह हुआ। समाज कल्याण विभाग ने शासन से अनुमन्य 51 हजार रुपये में से वर वधू को 10 हजार रुपये का उपहार और 6 हज़ार

रुपये शादी के खर्च के साथ खाते में 35 हजार रुपए स्थानांतरित किया गया। जिसमें मेजा विधायक नीलम उदय भान करवरिया,खंड विकास अधिकारी सपना अवस्थी , उरुवा खंड विकास अधिकारी ब्रह्मा पाल सिंह, एडीओ पंचायत सुदामा दास गावडे,मेजा ब्लॉक प्रमुख,समाज कल्याण सुशांत पांडेय,मेजा एसडीएम , ग्राम प्रधान नेहा संदीप मिश्रा,क्षेत्राधिकारी मेजा अमिता सिंह ,मेजा थाना प्रभारी तुषार दत्त त्यागी आदि मौजूद रहे।

विकासखंड नजीबाबाद में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह आयोजित किया गया

(संवाददाता)

नजीबाबाद विकासखंड में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम के छाया चित्र जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता संभावित प्रत्याशी मा रमेश सिंह, जिला मीडिया प्रभारी अरविंद विश्वकर्मा, पूर्व जिला मंत्री रितेश सैन, मनोज राठी, लोकप्रिय ब्लाक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल, पूर्व चेयरमैन किसान सहकारी चीनी मिल सुनील खाईखेड़ी अध्यक्ष प्रधान संघ नजीबाबाद, प्रशांत कुमार, विक्रम खोबे, कमल सैनी, नरेंद्र उपाध्याय एडवोकेट बृजराज सिंह प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज बिजनौर सुभाष चंद्र, तनवीर कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख राज सिंह एवं संचालन एडीओ पंचायत राकेश कुमार ने किया कार्यक्रम की पूरी व्यवस्था एडीओ समाज कल्याण हेमंत कुमार की उपस्थित जनसमूह ने कार्यक्रम में शामिल 60 युवक-युवतियों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया जिसमें 56 जोड़ी हिंदू समाज के थे 4 जोड़ें मुस्लिम समाज के थे खाने पीने की व्यवस्था पूर्ण रूप से की गई थी।

शहनाई बैंकट हॉल, बिजनौर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह योजना का आयोजन किया गया

(संवाददाता)

समारोह के तहत 146 नवयुगल का विधि विधान से विवाह सम्पन्न, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत नवविवाहित जोड़ों को उपहार एवं विवाह स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें वैवाहिक जीवन की सफलता के लिए प्रदान की गई शुभाकामनाएं

बिजनौर मैं आज दोपरह 12.00 बजे शहनाई बैंकट हॉल, में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समारोह के तहत 146 नवयुगल का विधि विधान से विवाह सम्पन्न कराया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला जिलाधिकारी उमेश मिश्र व मुख्य विकास अधिकारी के0पी0 सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत नवविवाहित जोड़ों को उपहार एवं विवाह स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें वैवाहिक जीवन की सफलता के लिए शुभाकामनाएं प्रदान की गईं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि उ0प्र0 शासन की महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों की विवाह योग्य कन्या, विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा महिलाओं के विवाह के लिए शासन द्वारा स्वीकृत शादी अनुदान के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हुए 146 नवयुगल जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति रिजवाज के तहत सम्पन्न कराया गया। उन्होंने बताया कि आज विकास खण्ड मुहम्मदपुर देवमल के कुल 76 जोड़ों जिनमें 68 हिन्दु तथा 08 मुस्लिम, खण्ड विकास किरतपुर के 70 जाड़ों में 65 हिन्दु तथा 05 मुस्लिम जोड़ों इस प्रकार कुल 146 नवयुगल की शादी पूरे धार्मिक रीति-रिवाज से साथ सम्पन्न करायी गयी। उन्होने बताया कि उक्त योजना के अन्तर्गत शासन द्वारा स्वीकृत जो धनराशि वधु को मिलनी है, उसे जल्द ही उनके खातों में भेज दिया जायेगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के0पी0 सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञानेश्वर त्रिपाठी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, ब्लॉक प्रमुख के अलावा अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मानवाधिकार दिवस पर छात्र, छात्राओ को शपथ ग्रहण कराई

(संवाददाता)

समाचार शपथ ग्रहण करते छात्र छात्रा।

आर एस पी इंटर कॉलेज मे मानवाधिकार दिवस पर छात्र छात्राओं को मानवाधिकार की शपथ ग्रहण कराई गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य मधुबाला शर्मा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनुज कुमार रस्तोगी , वीरेंद्र कुमार, बलवंत सिंह, शिखर चंद शर्मा , लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा, कांता प्रसाद पुष्पक कॉलेज का समस्त स्टाफ ने मानवाधिकार दिवस मनाया तथा शपथ दिलाई।

एनसीसी कैडेट्स नें मोमबत्ती जलाकर दी बिपिन रावत को श्रद्धांजलि

(संवाददाता)

स्योहारा। एमक्यू इंटर कॉलेज में 32 यूपी वाहिनी एनसीसी धामपुर के कमान अधिकारी कर्नल विशाल चड्ढा के दिशा निर्देश में देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रॉवत उनकी पत्नी व अन्य कई जवानों की मौत पर शोक प्रकट करते हुए शहीदों के चित्त के सामने मोमबत्ती जलाकर सभी को श्रद्धांजलि अर्पित की व जनरल बिपिन रॉवत की मौत को देश की भारी क्षति बताया।

खड़े कैडेट्स श्रद्धांजलि देते हुए

शोक सभा का आयोजन लेफ्टिनेंट यूनुस चोधरी के नेतृत्व में आयोजित हुआ व इस मौके पर माशूक अली,उवेश मतलूब व कैडेट्स में शिवा, फैजान,साहिल,आफताब, बिट्टू,गोतम ,पर्यांश, आदि भी मौजूद रहे।

मानवाधिकार हनन को लेकर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हेलीकॉप्टर दुघर्टना में सीडीएस विपिन रावत समेत दुर्घटना में शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

(संवाददाता)

फफूँद,औरैया। जनपद औरैया ब्लाक भाग्यनगर के थाना फफूंद मै राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उमेश यादव प्रदेश अध्यक्ष श्री सुखेंद्र सिंह यादव जी राष्ट्रीय अध्यक्ष महीला प्रकोष्ठ श्रीमती प्रभा यादव ,व पूर्व सांसद प्रदीप यादव ने गरीब एवम विकलांग महिलाओं व जनता को कम्बल वितरण किये और कहा मैने कभी राजनीति नेता के रूप में नहीं कि मैने जनता सेवा कर सेवक के रूप में की अगर आप लोगों ने सेवा मौका मुझे दुबारा दिया तो आप लोगों सारी समस्याओं निस्तारण समय पर होगा, यह आप सभी को आश्वासन देता हूँ। फफूंद के इंडियन पेट्रोल पंप के पास फफूंद रोड अछल्दा पर आगमन हुआ। कार्यक्रम के विस्थापक अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन के कानपुर मंडल उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र राणा संगठन टीम के जिला अध्यक्ष पंकज सिंह राणावत के मंडल सचिव राकेश कुमार जिला महामंत्री प्रभाकर कुमार जिला प्रभारी राजेश कुमार,जिला कोषाध्यक्ष अक्षय कुशवाह के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। प्रदेश अध्यक्ष ने महिलाओं की हर मदद व सुरक्षा का आश्वासन दिया गया। जिस पर मानवाधिकार औरैया के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष जी व औरैया जिले में फूल माला पहना कर सम्मान सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन की औरैया की टीम के पदाधिकारी पंकज सिंह राणावत, अक्षय कुशवाहा, सुभाष चन्द्र राणा व महिला मोर्चा अध्यक्ष औरैया रुकमणी देवी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मधु गौतम, जिला संयोजक सोनिया तिवारी, जिला उपाध्यक्ष सीमा कुशवाह व जिला महामंत्री रूबी, जिला उपाध्यक्ष अर्चना गौतम, जिला सचिव मीना सिंह, बृजेश कुमारी, नगीना देवी, ज्योति देवी, नन्ही देवी, सुनीता देवी नीलम देवी अखिलेश कुमारी प्रतिभा कुमारी मंच संचालन विकाश कुशवाह , सर्वेश बाबू गौतम ,व रश्मी यादव ,जिला मिडिया प्रभारी शिवकांत आदि बड़ी संख्या महिलाएं एवं लोगों उपस्थिति रही। इसके अलावा थाना फफूंद का पुलिस बल मौजूद रहा।

अवैध खनन के ट्रैक्टरों से टूटी राजपुर सिथरा पुलिया

(संवाददाता)

सिकंदरा: राजपुर क्षेत्र में रात के अंधेरे में माफिया बालू का अवैध खनन कर रहे हैं। बुलडोजर व ट्रैक्टरों के गुजरने से राजपुर सिथरा माइनर की पुलिया टूट गई है। इससे वाहन सवारों के लिए खतरा बना हुा है। वहीं बालू चोरी करने पर सींचपाल ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सिकंदरा तहसील के राजपुर से रमऊ जाने वाले सिथरा माइनर से सफाई कार्य कराया गया था। माइनर से निकली बालू को सड़क दोनों ओर डंप कराया गया था। खनन माफिया रात में अवैध खनन कर रहे हैं। बुलडोजर से बालू चोरी कर ट्रैक्टर से भेजी जा रही है। साथ ही आसपास क्षेत्र से भी बालू खनन कर रहे। वहीं राजपुर से बैना सलेमपुर गांव जाने वाली माइनर की पुलिया को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। मामले में सिचाई विभाग के सींचपाल सिद्धगोपाल ने दमनपुर गांव निवासी पृथ्वी सिंह के खिलाफ चोरी से सरकारी बालू उठाए जाने सरकारी संपत्ति क्षति पहुंचाने की धारा में मुकदमा दर्ज कराया है। राजपुर थानाध्यक्ष कपिल दुबे ने बताया कि सिचाई विभाग के कर्मचारी की शिकायत पर चोरी कर सरकारी बालू उठाने का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

वायरल फोटो के मामले पर विधायक ने दर्ज कराया मुकदमा

(संवाददाता)

पुखरायां: भोगनीपुर क्षेत्र में गत शुक्रवार को सीडीएस व अन्य शहीदों को श्रद्धांजलि देते समय विधायक विनोद कटियार का हंसते हुआ फोटो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया था। विधायक ने इसे फोटोशाप से छेड़छाड़ कर उनकी छवि खराब करने की बात कही थी। विधायक ने शनिवार को थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

विधायक विनोद कटियार ने एसपी को दी गई तहरीर में बताया कि शुक्रवार को वह देश के प्रथम सीडीएस बिपिन रावत व अन्य के निधन पर आरएसएस के आयोजित कार्यक्रम में रेलवे ग्राउंड पुखरायां में श्रद्धांजलि सभा में गए थे। सभा में आरएसएस व भाजपा के जिम्मेदार पदाधिकारी मौजूद थे। उसी सभा में उन्होंने भी उपस्थित होकर संवेदना व्यक्त की थी। संवेदना व्यक्त करने के दौरान कुछ अराजकतत्वों ने तकनीकी माध्यम (फेस एप) से छेड़छाड़ कर उनकी हंसते हुए फोटो को फेसबुक पर डालकर दुख की इस घड़ी में अपराध का कार्य किया है। भोगनीपुर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि एसपी के आदेश पर विधायक विनोद कटियार की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ आइटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। साइबर सेल की मदद से जांच की जाएगी।

एसएमसी अध्यक्ष सचिव ग्राम प्रधान के उन्मुखीकरण हेतु ब्लॉक स्तरीय गोष्ठी संपन्न

(संवाददाता)

औरैया । सदर विकासखंड औरैया में शनिवार को एसएमसी अध्यक्ष ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापकों की ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन साईंधाम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष कमल दोहरे व खंड विकास अधिकारी बब्बन प्रसाद मौर्य व खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया।संगोष्ठी में मुख्य रूप से उपस्थित एआरपी अश्वनी त्रिपाठी, अभिषेक औदिच्य एवं ओमनारायण द्वारा कई बिंदुओं पर चर्चा की जिसमें ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत 19 पैरा मीटर पर ग्राम प्रधानों को समस्त विद्यालयों के संतृप्तिकरण हेतु प्रेरित करना ,निपुण भारत एवं मिशन प्रेरणा के अंतर्गत विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु किए जा रहे प्रयासों पर की चर्चा, विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों

में बच्चों को दी जा रही सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। ग्राम प्रधानों से विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों के विकास में सहयोग एवं अपेक्षाओं को लेकर पूर्ण चर्चाएं हुई, छात्रों को सरकार से प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी के तहत मिशन प्रेरणा, खेल का सामान व एमडीएम को लेकर विस्तृत चर्चा भी साझा की गई।

टूटीं कुरीति की बेड़ियां और दिखी समरसता की मिसाल, सात फेरों के बीच मौलवी ने पढ़वाया निकाह

कानपुर, (संवाददाता) । बिधनू कठेरुआ गांव स्थित गेस्टहाउस में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कुरीतियों की बेड़ियां टूटती नजर आई तो समाजिक समरसता की मिसाल भी दिखाई दी। यहां विधवा महिला का विवाह कराया गया तो एक पंडाल के नीचे सात फेरों के बीच मौलवी ने भी निकाह पढ़वाया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को बिधनू कठेरुआ गांव स्थित गेस्टहाउस में विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां एक पंडाल के नीचे तीन मुस्लिम जोड़ों का निकाह हुआ तो एक विधवा महिला समेत हिंदू जोड़े दांपत्य बंधन में बंधे। यहां बिधनू, घटमपुर,पतारा, भीतरगांव के 140 जोडों ने विवाह के बंधन में बंधकर एक साथ जीने मरने की कसमें खाई। आयोजन में तीन मुस्लिम व एक विधवा महिला का भी विवाह संपन्न हुआ। एक ही पंडाल में एक तरफ आचार्य ने 154 हिन्दू जोड़ों का वैदिक मंत्रों के बीच हिंदू रीति रिवाज से विवाह संपन्न कराया तो वहीं दूसरी तरफ मौलवी ने तीन मुस्लिम

जोड़ों को निकाह पढ़ाकर शादी कबूल कराई। मुख्य अतिथि बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा, जिला विकास अधिकारी जीपी गौतम, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. प्रज्ञा पांडेय, खंड विकास अधिकारी बिधनू- पतारा अंजली सरोज ने नवदंपति जोड़ों को सरकार की ओर से निर्धारित सभी गृहस्थी उपयोगी समान भेंट कर सुखी दांपत्य जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। इस मौके पर एडीओ पंचायत अतुल शुक्ल, उदयवीर सिंह, समाज कल्याण अधिकारी गजेंद्र मिश्र, मौजूद रहे।

22 नवदंपती को वैक्सीन की डोजः मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के दौरान पंडाल में स्वास्थ्य विभाग ने वैक्सिनेशन सेंटर बना रखा था।

अरुण गुप्ता ने केन्द्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा से की शिष्टाचार भेंट

(संवाददाता)

उरई। शनिवार को नगर अध्यक्ष भाजपा उरई प्रथम अरुण गुप्ता के निज निवास पर केन्द्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा के आगमन पर उनके साथ सुखद शिष्टाचार मिलन समारोह हुआ जिसमें मुख्य रूप से नगर पालिका अध्य्कछ आदरणीय अनिल बहुगुणा जी,रवी कान्त दुवेदी,जिला उपाध्यकछ बहन रेखा वर्मा ,बहन सुनीता वर्मा दिलीप श्रीवास्तव,नगर उपाध्यकछ यादवेंद्र सिंह,नीलम सोनी ,राम कुमार प्रजापति ,अयोध्या प्रसाद जी व अन्य श्रेष्ठ-जेष्ठ कार्यकर्ता बन्धु उपस्थित रहे।

अमरौधा व मलासा में 2,133 लोगों ने कराया वैक्सीनेशन

(संवाददाता)

पुखरायां: अमरौधा व मलासा ब्लाक में शनिवार को 2133 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया। अमरौधा ब्लाक की सीएचसी पुखरायां में फार्मासिस्ट निदा परवीन ने 95 लोगों को टीका लगाया। पीएचसी अमरौधा में सीएचओ अरशद ने, अमरौधा कस्बा में एएनएम रामसखी, गीता गुप्ता व किरन देवी की टीम ने, पुखरायां में एएनएम उर्मिला सचान, सीएचओ पूजा यादव, कल्पना व सुषमा की टीम ने, पीएचसी मूसानगर में एएनएम उपमा ने, पातेपुर मे सीएचओ निशा ने व अतबलपुर में सीएचओ निशा देवी ने, गौसगंज में सीएचओ संगम, खिरियनपुरवा में सीएचओ सुमित, भोगनीपुर में

एएनएम शानो परवीन ने,मीरपुर में सीएचओ अमिता सचान, गौरी में एएनएम विटोल कुमारी फकीराबाद में एएनएम विमला देवी, अल्लापुर में एएनएम दिव्या वर्मा ने कुल 1025 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाया। वहीं मलासा ब्लाक की सीएचसी देवीपुर में सीएचओ शिवांगी ने, पुलंदर में एएनएम गीता ने, चांदपुर में एएनएम प्रेमलता ने, बाजपेयीपुर में एएनएम गीता सक्सेना ने, सनायाखेड़ा में एएनएम सुधा ने, अकबरनगर में एएनएम पूनम वर्मा ने, कैलई में एएनएम रुमी सचान ने,डोभा में एएनएम उमा देवी ने, अंडवा मेंएएनएम डाली देवी ने, सरौंटा में एएनएम प्रभाकांती ने, गुरुगांव में एएनएम सरोजरानी ने, बम्हनौती में एएनएम मंजू सविता ने, टुटईचांद में एएनएम पुष्पा देवी, कुटरा में एएनएम शशि देवी ने, बरवा-रसूलपुर मेंएएनएम रीता देवी, डेरा जगम्मनपुर में एएनएम ईशू सचान ने 1,033 लोगों को टीका लगाया। पीएचसी अमरौधा के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. आदित्य सचान व सीएचसी देवीपुर देवीपुर के अधीक्षक डा. विकास कुमार ने बताया कि गांवों में भी शिविर लगाकर टीकाकरण अभियान को गति दी जा रही है।

तीन शिकायतों का एसपी ने किया निस्तारण

(संवाददाता)

डेरापुरः थाने में समाधान दिवस एसपी केशव चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कुल 10 शिकायतें पंजीकृत हुई, जिनमें मौके पर तीन शिकायतों का निस्तारण किया गया। एसपी ने थाने में आने वाले फरियादियों की समस्या का हर हाल में समाधान किए जाने के निर्देश थानाध्यक्ष को दिए गए।

महमूदापुर निवासी शारिक अली ने एसपी को बताया कि चुनावी रंजिश को लेकर गांव के अमान खान, मोहिसन, नफीस आदि लोगों ने उसके साथ मारपीट की है। एसपी ने थानाध्यक्ष को आरोपितों के विरुद्ध मामले में मुकदमा पंजीकृत करने के निर्देश देकर सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने को कहा है। परौंख मंगलपुर निवासी गेंदालाल ने एसपी को बताया कि उसका प्लाट डेरापुर कस्बे के श्याम नगर में है जिस पर एक व्यक्ति जबरन कब्जा कर निर्माण कार्य करा रहे हैं जिस पर उन्होंने लेखपाल के साथ पुलिस टीम की मौजूदगी में आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिया। दिवस में कुल 10 शिकायतें आई व मौके पर तीन शिकायतों का निस्तारण किया गया।

मार्ग दुर्घटना में जान गंवाने वाले चचेरे भाई थे परिवार के इकलौते

(संवाददाता)

रनियांः अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के रनियां में किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई थी। दोनों ही परिवार के इकलौते पुत्र थे और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

अंबेडकर नगर रनियां निवासी किसान कमल के 22 वर्षीय पुत्र अनिल कुमार अपने चचेरे भाई प्रांशु शुक्रवार को रिश्तेदारी में मूसानगर बाइक से गए थे। वापसी में वह लोग राजेंद्रा पुल के पास पहुंचे थे कि किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी और इससे जान चली गई थी। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। प्रांशु की मां मिथिलेश, पिता शिवप्रसाद व बहन का रो रोकर बुरा हाल हो चुका है। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि भगवान ने उन्हें इतना गहरा दुख दिया है। इसी तरह से अनिल के पिता कमल, मां आशा, बहन लक्ष्मी व वंदना बेसुध हो गईं। जिला अस्पताल में बेटे का शव देखा तो बदहवास हो गए। उनका दुख देखकर हर किसी की आंख नम हो गई। वहीं क्षेत्रीय लोग भी पहुंचे और दोनों युवकों की मौत पर दुखी रहे। लोगों ने बताया कि दोनों बेहद मिलनसार व मदद करने वाले युवक थे। दोनों चचेरे भाई हमेशा साथ ही रहते थे। रनियां चौकी इंचार्ज अनुराग पांडेय ने बताया कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

राधिका पर भड़के यूजर्स

छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड तक का शानदार सफर तय करने वाली एक्ट्रेस राधिका मदान आज हमेशा ही सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। 'पटाखा' फिल्म से बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू करने वाली राधिका न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में राधिका, सनी कौशल के साथ फिल्म 'शिद्दत' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री ने लाखों फैंस के दिल जीते। राधिका एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन वह अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर चर्चा में रहती हैं। वहीं कई बार उन्हें अपने इन्हीं ड्रेसिंग की वजह से ट्रोल होना पड़ता है। इसी बीच एक बार फिर राधिका अपनी ड्रेस को लेकर ट्रोल हो रही हैं।बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका मदान हाल ही में अपनी फिल्म 'शिद्दत' के प्रमोशन के दौरान रिवीलिंग टॉप पहनने को लेकर ट्रोल हुईं थीं। वहीं अब एक बार फिर वो अपने एक आउटफिट की वजह खबरों में आ रही हैं। राधिका ने हाल में फिल्मफेयर अवॉर्ड के दौरान ऐसी ड्रेस पहनी जो फैंस को पसंद नहीं आ रही है। राधिका मदान फिल्मफेयर अवॉर्ड में लाइट पर्पल कलर की मिनी ड्रेस पहन कर पहुंची थीं। उनकी ये ड्रेस उन्हें फिट नहीं बैठ रहा था। ऐसा लग रहा है कि उन्होंने खुद से बड़ा साइज कैरी किया हुआ है। वहीं राधिका की ये ड्रेस आगे से काफी कटी हुई है। जो देखने में थोड़ी अजीब सी लग रही है। इसी वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया जा रहा है।

विक्की और कटरीना की हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें वायरल

अभिनेता विक्की कौशल और कटरीना कैफ बीते शुक्रवार को हाई सिक्योरिटी के बीच शादी के बंधन में बध गए। अब दोनों के शादी के फंक्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें दोनों बेहद खुश नजर आ रहे हैं। विक्की और कटरीना के हल्दी सेरेमनी की इन तस्वीरों को विक्की कौशल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर कर एक्टर ने एक खास कैप्शन भी लिखा है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि विक्की और कटरीना अपनी हल्दी सेरेमनी को काफी एंजॉय कर रहे हैं। पहली फोटो में कटरीना कैफ विक्की कौशल को हल्दी लगाती हुई दिख रही हैं। तस्वीर में दोनों के पूरे फेस पर हल्दी लगी है। तस्वीर में कुछ महिलाएं अभिनेत्री को हल्दी लगा रही हैं, तस्वीरों को दोनों की दिल को छू लेने वाली केमिस्ट्री दिख रही है। तीसरा फोटो हल्दी सेरेमनी के बाद की है, जिसमें विक्की बैठकर पोज दे रहे हैं और फंक्शन में आए लोग पानी डालकर उन्हें नहला रहे हैं। इस दौरान अभिनेता एक-एक डार्क सनग्लास भी लगाया हुआ है।
कटरीना और विक्की कौशल की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। तस्वीरों को कई लाख लोग लाइक कर चुके हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। आपको बता दें कि विक्की कौशल और कटरीना की शादी का आयोजन राजस्थान के सवाई माधोपुर स्थित सिक्स सेंस फोर्ट में किया गया था, जहां 7 दिसंबर से शादी के फंक्शन शुरू हो गए थे। वहीं दोनों ने बेहद हाई सिक्योरिटी के बीच शादी की। साथ ही उन्होंने शादी में आए मेहमान और दोस्तों से शादी की तस्वीर ना लेने का आग्रह भी किया और अपने फोन और कैमरा होटल के कमरे में ही छोड़कर आने की अपील की थी। वहीं कई मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कटरीना और विक्की कौशल ने अपने शादी के फंक्शन की तस्वीरें ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो को अच्छी खासी रकम में बेच दिया है।

बोल्ड अंदाज में नुसरत

बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सांसद (टीएमसी) और बंगाली फिल्मों की एक्ट्रेस नुसरत जहां हमेशा ही किसी न किसी वजह से चर्चा में बनीं रहती हैं। नुसरत ने एक्टिंग के साथ राजनीति जगत में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वह इन सबके अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियों में रहती हैं। वहीं मां बनने को लेकर भी खबरों में रहीं। इन सबके बीच मां बनने के बाद अब नुसरत, यश दासगुप्ता के साथ अपने रिलेशनशिप को सोशल मीडिया पर धीरे-धीरे ओपन हो रही हैं। कुछ वक्त पहले नुसरत, यश दासगुप्ता के साथ कश्मीर की वादियों में पहुंची थीं। इस दौरान दोनों की कई तस्वीरें सामने आई थीं। इसी बीच अब यश दासगुप्ता के साथ पहली बार नुरसत जहां बोल्ड लुक में दिखी हैं।
यश दासगुप्ता ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में ध्यान से देखें तो उनके साथ नुसरत जहां नजर आ रही हैं। दोनों का ये वीडियो वर्कआउट के बाद बनाया गया है और इसे खुद मोबाइल यश बना रहे हैं। इस वीडियो को यश ग्लास डोर पर आ रही उनकी और नुसरत की इमेज के जरिए बना रहे हैं। इस दौरान यश जहां व्हाइट कलर की वेस्ट में दिख रहे हैं तो वहीं नुसरत स्पोर्ट ब्रा में नजर आ रही हैं। उन्होंने हाई पोनी से अपने बालों को पूरी तरह से बांध रखा है। इस दौरान दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं।
आपको बता दें कि हाल ही में नुसरत जहां ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी 2 फोटोज शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह स्पोर्ट्स ब्रा में बेहद ही बोल्ड नजर आई थीं। आपको याद दिला दें कि उनकी लेटेस्ट नहीं बल्कि थ्रोबैक फोटोज थीं। इन तस्वीरों को लेकर नुसरत जहां को काफी ट्रोल किया गया है। इसके पीछे की वजह ये थी कि नुसरत ने ये तस्वीरें भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन के दिन शेयर की थी। फैंस को नुसरत की तस्वीरें शेयर करने का टाइमिंग बिल्कुल पसंद नहीं आया था। उनका कहना था कि जिस वक्त पूरा देश सीडीएस जनरल बिपिन रावत के आकस्मिक निधन पर शोक मना रहा है, उस पल उन्हें श्रद्धांजलि देने की बजाय नुसरत इस तरह की फोटोज पोस्ट करने में व्यस्त हैं।

दिलीप कुमार की बर्थ एनिवर्सरी पर भावुक हुईं सायरा

शनिवार 11 दिसंबर को हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार की 99वीं बर्थ एनिवर्सरी सेलिब्रेट की गई। इस मौके पर फैंस उन्हें याद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दिलीप साहब का जन्मदिवस मना रहे हैं। इस खास मौके पर सायरा बानो ने दिलीप साहब को खास अंदाज में बर्थडे एनिवर्सरी विश की है। साथ ही फैंस ने सोशल मीडिया पर दिलीप कुमार की 99वीं बर्थ एनिवर्सरी को शांति से मनाने की अपील की है। बता दें कि कई सालों से लंबी बीमारी को मात देते आ रहे दिलीप कुमार ने इस साल 7 जुलाई को दुनिया को अलविदा कह दिया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सायरा बानो ने खत लिखकर दिलीप साहब को बर्थडे विश करते हुए लिखा, हम साथ थे, हैं और हमेशा रहेंगे। मैं अभी अकेली नहीं हूं हाल में सायरा बानो ने अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर कहा था कि, वो हमारे बीच हैं, धीरे से मेरा हाथ पकड़ रहे हैं और अपनी भावनाओं को बिना बोले व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे पता है कि मैं अभी और हमेशा के लिए कभी अकेली नहीं हूं।

अभिषेक ने सुशांत को लेकर खोले कई राज

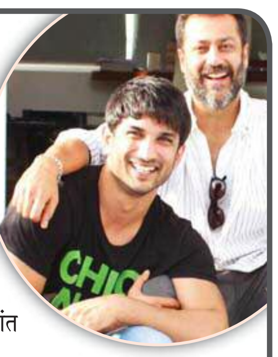

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत खबरों ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। अब सुशांत की फिल्म काई पो चे में अभिनेता को निर्देशित करने वाले अभिषेक कपूर ने अभिनेता के साथ अपने कनेक्शन के बारे में बात की है और सुशांत की मौत को बेहद दर्दनाक बताया है।
फिल्म निर्देशक अभिषेक कपूर ने बातचीत के दौरान कहा, 'सुशांत सिंह राजपूत की मौत मेरे लिए बहुत दर्दनाक थी। मैंने उनकी पहली फिल्म बनाई और फिर मैंने केदारनाथ बनाई। मुझे याद है कि कैसे सिस्टम ने सुशांत को विश्वास नहीं होने दिया कि लोग उन्हें इतना प्यार करते हैं'। फिल्म निर्देशक ने आगे कहा, 'लोग ये बोलकर केदारनाथ छोड़ रहे थे कि सुशांत स्टार नहीं है। ये बहुत अजीब था और मैं इस फिल्म के लिए रहा था। मैंने इस फिल्म को खत्म करने के लिए, अपनी जेब से पैसे लगाए, मैं उस वक्त बहुत दबाव में था। इस लिए मुझे केदारनाथ बनानी पड़ी। लेकिन मुझे विश्वास था फिल्म लोगों को पसंद आएगी।'
वहीं उन्होंने सुशांत की मौत के बाद हुए हंगामे के बारे में बात करते हुए कहा कि, 'मुझे पता है कि केदारनाथ बनाते वक्त सुशांत दर्द में थे। हमारे आस-पास एक ऐसी व्यवस्था है जो कभी ये विश्वास नहीं करने देती कि लोग उससे कितना प्यार करते थे। लेकिन निधन के बाद पूरी दुनिया सुशांत की दीवानी हो गई। ऐसा लगा जैसे विस्फोट हो गया। यही हमारी त्रासदी है।'आपको बता दें कि 34 साल के सुशांत सिंह राजपूत को मुंबई स्थित अपने फ्लैट में मृत पाया गया था। शुरुआत में माना गया कि अभिनेता ने आत्महत्या की, लेकिन उसके बाद ये मामला काफी पेचीदा होता चला गया और पूरे देश में एक भावनात्मक माहौल बन गया।

दिसंबर की ठंड में श्वेता तिवारी की बेटी ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा, शॉर्ट्स में पलक ने फ्लॉन्ट की टोन्ड लेग्स

उनका बोल्ड अंदाज तो हमेशा ही इंटरनेट का पारा बढ़ा देता है। हाल ही में उन्होंने फिर कुछ ऐसा ही किया है। अपने लेटेस्ट फोटोशूट में पलक ब्लैक शॉर्ट्स के साथ फुल स्लीव क्रॉप टॉप में स्टनिंग अंदाज में दिख रही हैं। ओपन हेयर्स, मिनिमल मेकअप और शेड्स उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं।

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी इंडस्ट्री सबसे पॉपुलर स्टार किड्स में से एक हैं। भले ही श्वेता ने एक्ट्रेस सारा अली खान, जाह्नवी कपूर की तरह बॉलीवुड के किसी बड़े डायरेक्टर की फिल्म से डेब्यू नहीं किया है लेकिन इसके बावजूद भी वह किसी ना किसी बात को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज तो हमेशा ही इंटरनेट का पारा बढ़ा देता है। हाल ही में उन्होंने फिर कुछ ऐसा ही किया है। अपने लेटेस्ट फोटोशूट में पलक ब्लैक शॉर्ट्स के साथ फुल स्लीव क्रॉप टॉप में स्टनिंग अंदाज में दिख रही हैं। ओपन हेयर्स, मिनिमल मेकअप और शेड्स उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। वह कैमरे के सामने कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। तस्वीरों में वह बेहद बोल्ड और क्लासी लग रही हैं। इससे पहले पलक ने ब्राउन कलर की जैकेट को ओपन कर ब्लैक स्पेगेडी ब्रा फ्लॉन्ट करते की तस्वीरें शेयर की थीं। ये फोटोशूट उन्होंने मिरर के सामने खड़े होकर कराया है। फैंस पलक की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो पलक फिल्म रोजी रूद सैफरन चौप्टर से बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। फिल्म को कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला हालांकि पलक के काम की तारीफ हुई थी। इसके अलावा वह हाल ही में सिंगर हार्डी संधू के साथ म्यूजिक वीडियो बिजली–बिजली में नजर आईं थीं। पलक का ये पहला म्यूजिक प्रोजेक्ट था।

विक्की-कैटरीना के ऐज गैप पर कंगना रनौत ने किया रियेक्ट, अब कह डाली ऐसी बात

कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने बड़ी लड़की से कम उम्र के लड़के की शादी पर खुशी जताई है। कंगना रनौत ने अपने इस पोस्ट में लिखा, पहले तो उम्र निकल जाने के बाद लड़कियों की शादी होती नहीं थी। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की सफल महिलाएं इस नॉर्म को तोड़ रही हैं। वैसे कंगना ने अपनी इस पूरे पोस्ट में कहीं भी विक्की कौशल और कटरीना कैफ के नाम का जिक्र तो नहीं किया लेकिन पता चल रहा है कि उनका इशारा इसी जोड़ी की तरफ है। इसके अलावा उन्होंने अपने पोस्ट में ये भी लिखा, बड़े होते हुए हमने बहुत सारी कहानियां भी सुनी हैं जिनमें अमीर आदमियों को काफी छोटी लड़कियों के साथ शादी करते थे। ऐसे में महिलाओं का अपने पति से ज्यादा सफल होना बड़ी दिक्कत के तौर पर देखा जाता था। छोटे लड़के से शादी करना तो भूल ही जाइए, एक खास उम्र के बाद महिलाओं के लिए शादी करना असंभव हो जाता था। वैसे यह सबकुछ देखकर अच्छा लगता है कि अमीर और सक्सेसफुल महिलाएं, इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की लीडिंग लेडीज इन सेक्सिस्ट नॉर्म्स (लिंगभेदी मानकों) को तोड़ रही हैं। ऐसे महिला और पुरुष तारीफ के काबिल हैं जो जेंडर स्टीरियोटाइप (रुढ़िवादिता) को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। गौरतलब है विक्की कौशल और कैटरीना कैफ की उम्र में 5 साल का अन्तर है। इसके अलावा करियर में भी वह विक्की कौशल से काफी सीनियर हैं। प्रियंका चोपड़ा ने भी खुद से 10 साल छोटे निक जोनस से शादी की है। वहीं सुष्मिता–रोहमन शॉल, अर्जुन–मलाइका की उम्र में काफी फासला है और फैंस को इनकी शादी का बेसब्री से इंतजार है। वैसे कंगना रनौत भी बीते दिनों एक इवेंट में इस बात की हिंट दे चुकीं हैं कि उनकी लाइफ में कोई है। तब उन्होंने कहा था कि आने वाले 5 साल में वह खुद को शादीशुदा और एक मां के रूप में देखती हैं। खैर, कंगना की लाइफ में कौन है, इसका खुलासा तो आने वाले समय में ही हो पाएगा।

खूबसूरती निखारे ब्लशर

आप बिना मेकअप किए भी ब्लशर लगाने से बेहद खूबसूरत दिखाई दे सकती हैं। चेहरे पर खिली सुंदर मुस्कान हर किसी को आपकी तरफ आकर्षित कर सकती है। आपकी इसी मुस्कान चार चांद लगा देता है ब्लशर। लेकिन, यदि आपने इसका गलत इस्तेमाल किया तो आप दस साल बड़ी उम्र की भी लग सकती हैं। आप बिना मेकअप किए भी ब्लशर लगाने से बेहद खूबसूरत दिखाई दे सकती हैं। ब्लशर लगाने में आपसे कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए आपका कुछ बातों का जानना बेहद जरूरी है।

रोजी ग्लो के लिए

मेकअप में ब्लशर सबसे जरूरी है। इसका इस्तेमाल डल स्किन में फ्रेश और रोजी ग्लो लाने में मदद करता है। इसमें थोड़ा गोल्डेन शिमर मिलाने से यह फीचर्स को बैलेंस कर देगा। इससे आप हल्के फीचर्स को उभार सकती हैं। उसे एक डेफिनिशन दे सकती हैं।

दें सही कवरेज

क्रीम ब्लशर, मूस ब्लशर पाउडर, लिक्विड या जेल ब्लशर लगाने का सही तरीका जानना जरूरी है।

पाउडर ब्लशर

पाउडर ब्लशर आपको बोल्ड लुक लेता है। क्योंकि इसकी कवरेज मीडियम से हेवी होती है। यह चीक्स को शेप, शेड और कॉन्टूर करने के लिए बेस्ट है। इसे लगाने का सही तरीका है, डोम-शेप्ड ब्लशर ब्रश को ब्लशर पर रखकर गोलाई में घुमाएं। फिर मुस्कराएं और चीक्स के एपल पर हल्का स्ट्रोक्स देते हुए लगाएं। माथे की तरफ ले जाते हुए लगाएं। ब्रश से अच्छी तरह ब्लेंड करें।

लिक्विड/जेल ब्लशर

इसे आप चीक्स और लिप्स दोनों के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर दूसरे शेड्स और प्रोडक्ट भी इसके साथ प्रयोग कर सकती हैं। लिक्विड से क्रीम जेल का टेक्सचर अलग-अलग होता है। ये लॉन्गलास्टिंग व नैचुरल मैट स्टेन लुक देते हैं।

मल्टीग्रेन आटा करे बीमारियों को दूर

गेहूं में अगर दूसरे अनाज को मिला कर आटा पिसवाया जाए तो ऐसे आटे से बनी रोटी की पौष्टिकता बढ़ जाती है। मल्टीग्रेन आटे का इस्तेमाल करने के लिए आमतौर पर भारतीय घरों में रोटी बनाने के लिए गेहूं, बाजरा, मक्का और ज्वार जैसे अनाज का इस्तेमाल करते हैं। गेहूं में अगर दूसरे अनाज को मिला कर आटा पिसवाया जाए तो ऐसे आटे से बनी रोटी की पौष्टिकता बढ़ जाती है। आज हम आपको मल्टीग्रेन आटे से बनी रोटी कई तरह की बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद होती है।

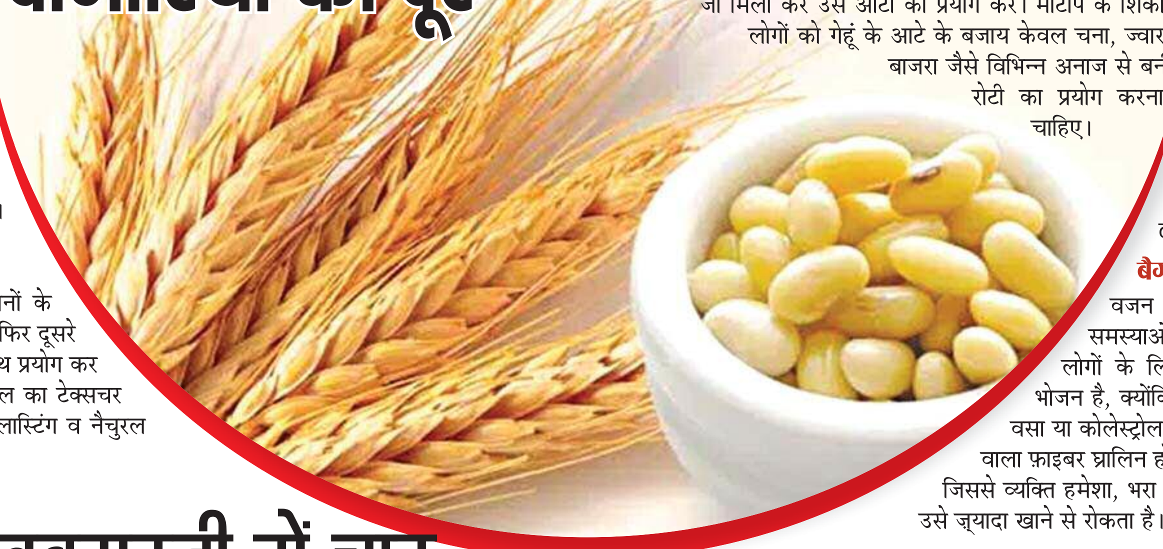

विभिन्न रोगों में मल्टीग्रेन आटे का उपयोग

डायबिटीज के लिए फायदेमंद है मल्टीग्रेन आटा

मधुमेह के रोगी 5 किलोग्राम गेहूं के आटे में डेढ़ किलोग्राम चना, 500 ग्राम जौ और 50 ग्राम मेथीदाना मिला कर पिसवाएं। मेथी ब्लडशुगर को नियंत्रित करती है। 5 किलोग्राम गेहूं के आटे में प्रोटीन के मुख्य स्रोत 500 ग्राम सोयाबीन, 1 किलोग्राम चना और 500 ग्राम जौ मिला कर पिसवाए गए आटे की रोटी खाने से बढ़ती उम्र के बच्चों को लाभ होता है।

प्रेग्नेंट महिलाएं ऐसे करें मल्टीग्रेन आटे का इस्तेमाल

गर्भवती महिलाओं को गेहूं के आटे में सोया, पालक, मेथी, बथुआ और लौकी जैसी हरी सब्जियों और थोड़ी सी अजवाइन का मिला कर उस का प्रयोग करना चाहिए। मेनोपौज की प्रक्रिया से गुजर चुकी महिलाओं के शरीर में हारमोन परिवर्तित हो जाते हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाओं को हाई ब्लडप्रैशर, हाई कोलैस्ट्रौल और डायबिटीज जैसी बीमारियां घेर लेती हैं। ऐसी स्थिति में 10 किलोग्राम आटे में 5 किलोग्राम गेहूं, 1 किलोग्राम सोयाबीन, डेढ़ किलोग्राम चना और 1 किलोग्राम जौ मिला कर उस आटा का प्रयोग करें। मोटापे के शिकार लोगों को गेहूं के आटे के बजाय केवल चना, ज्वार, बाजरा जैसे विभिन्न अनाज से बनी रोटी का प्रयोग करना चाहिए।

बैगन के फायदे

वजन कम करने या मोटापे की समस्याओं का सामना करने वाले लोगों के लिए, बैगन बहुत ही स्वस्थ भोजन है, क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार का वसा या कोलेस्ट्रोल नहीं होता। बैगन भारतीय उपमहाद्वीप में मूल रूप से पायी जाने वाली सब्ज़ी है, लेकिन अब यह दुनिया भर के सांस्कृतिक व्यंजनों में पायी जाती है। दुनिया भर में बैगन के कई प्रकार की क़िस्मों का उपयोग किया जाता है और यह कई अलग अलग तरीक़ों के व्यंजनों में शामिल होता है। इसे आम तौर पर सब्ज़ियों का राजा कहा जाता है, क्योंकि यह, सांस्कृतिक विरासत में सबसे अधिक बहुमुखी और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों में से एक है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभदायक है। बैगन हमें विटामिन, खनिज और पोषक तत्व प्रदान करता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी6, थायमिन, नियासिन, मैग्नेशियम, फ़ोसफ़ोरस, कौपर, फाइबर, पोटेशियम और मैगनीज पाया जाता है।

बैगन वज़न कम करता है

वजन कम करने या मोटापे की समस्याओं का सामना करने वाले लोगों के लिए, बैगन बहुत ही स्वस्थ भोजन है, क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार का वसा या कोलेस्ट्रोल नहीं होता। इसमें पाया जाने वाला फ़ाइबर घ्रालिन होर्मोन को बनने से रोकता है, जिससे व्यक्ति हमेशा, भरा हुआ महसूस करता है, और उसे ज़्यादा खाने से रोकता है।

कैंसर के लिए लाभदायक

बैगन में पाए जाने वाले एंटीओक्सिडेंट्स, विभिन्न बीमारियों से हमारी रक्षा करते हैं, इसमें पाया जाने वाला विटामिन सी हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली का अहम् हिस्सा है। इसमें मैगनीज होता है जो एक प्राकृतिक एंटीओक्सीडेंट है। नियसिन, और क्लोरोजेनिक एसिड फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। फ्री रेडिकल्स हमारी तंत्रिका को बिगाड़ने, अल्ज़ाइमर रोग और मनोभ्रंश की उपस्थिति को उत्पन्न करते हैं।

खूबसूरती में चार चांद लगाए नारियल

अगर आप अपने लिए खूबसूरत रंगरूप चाहती हैं तो नारियल पर डालिए एक नजर.. क्या आप जानते हैं कि नारियल प्रकृति का सबसे ज्यादा बहुपयोगी फल है? प्राचीन काल से ही सेहत और सुंदरता पाने के लिए इसका अलग अलग तरह से इस्तेमाल किया गया है. हम इसका इस्तेमाल करते हैं, फिर भी यह नहीं जानते हैं कि इसके अलगअलग रूप जैसे पानी, गूदा, तेल और मलाई खूबसूरती निखारने का सर्वोत्तम तरीका है...

रंगरूप संवारे... खूबसूरत अहसास जगाए

नर्म, मुलायम और निखरे रंगरूप के लिए नारियल तेल से बढ़कर और कुछ नहीं। नारियल तेल तेजी से त्वचा में समा जाता है और इसे भीतर से खिला-खिला और दमकता बनाता है। इसके अलावा रूखी, खुरदरी और झुर्रियों से युक्त त्वचा को चिकना बनाने में यह अति उत्तम है।

वर्जिन नारियल तेल- इसमें है एंटीऔक्सीडैंट, जो त्वचा को फ्री रैडिकल्स से सुरक्षित रखते हैं, जिनके कारण त्वचा अपना लचीलापन खो देती है। यह उम्र और तेज धूप के कारण दिखाई देने वाले बदसूरत दाग-धब्बे भी दूर करता है।

बाल... आज और कल

बाल आपकी खूबसूरती का एक खास हिस्सा है। अगर आप दक्षिण भारत की अधिकतर स्त्रियों के बाल देखेंगे तो पाएंगे कि इनके बाल कितने घने, लंबे, काले चमकीले होते हैं। इनका रंगरूप भी कितना मुलायम औद बेदाग होता है। इसका क्या राज है? दरअसल, ये स्त्रियां अपने भोजन में और रंगरूप संवारने के लिए हर दिन नारियल तेल का इस्तेमाल करती हैं। नारियल तेल बालों की जड़ों को पोषण देकर, इसके स्वाभाविक और स्वस्थ विकास को बनाए रखता है। यह सिर की त्वचा को ठंडक पहुंचाता है। नारियल तेल को हल्का सा गर्म करें और बालों पर लगाएं। खास तौर पर बालों की जड़ों पर। इसे रात भर रहने दें और सुबह बालों में शैम्पू कर लें। यह निश्चित रूप से साबित हो चुका है कि शुद्घ नारियल तेल के नियमित इस्तेमाल से बालों का झड़ना 50% तक कम हो जाता है।

क्यों जरूरी है ब्रेस्टफीडिंग

शिशु के पोषण के साथ साथ एक मां को स्तनपान कराते समय स्वच्छता का भी अधिक ध्यान देना चाहिए। दुनिया भर में केवल पांच में से दो बच्चे जन्म के दो घंटे के भीतर स्तनपान का लाभ ले पाते हैं – वह सुनहरे घंटे शिशु को बढ़ने और विकसित होने का सबसे अच्छा मौका देते है। ब्रेस्टफीडिंग नई माताओं को अपने शिशु के साथ शारीरिक और भावनात्मक रूप से बांड बनाने में मदद करती है। जन्म से लेकर छह महीनों तक शिशु के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान बहुत महत्वपूर्ण है। मां का दूध शिशुओं में शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के साथ, पोषक तत्व भी प्रदान करता है।

शिशु के साथ-साथ स्तनपान मां के लिए भी अति लाभदायी होता है। स्तनपान के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक लाभ यह है कि स्तनपान कराने की सुविधा देने वाला मुख्य हार्मोन गर्भाशय को उसकी पूर्व स्थिति मे लाने में मदद करता है। नई माताओं में यह मोटापा और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने के साथ-साथ स्तन और ओवेरियन कैंसर के खतरे को भी कम करता है। पहले के समय में माताएं घर पर रह कर शिशु का लालन- पोषण करती थी और उनको छह माह से लेकर साल भर तक स्तनपान कराती थी। लेकिन आज की परिस्थिति कुछ अलग है। आजकल अधिकांश माताएं काम पर जाती हैं और उन्हें लंबे समय तक घर से दूर रहना पड़ता है। हालांकि पिछले कुछ महीनों से बहुत सी माताएं घर से ही काम कर रही हैं , लेकिन घर के काम और ऑफिस के रूटीन के चलते वह हर समय शिशु को स्तनपान नहीं करा पाती , जिससे नई माताओं के लिए स्तनपान का अभ्यास जारी रखना मुश्किल हो जाता है। लेकिन, यह सुनिश्चित करना बेहद ज़रूरी है कि शिशु कम से कम छह महीने से लेकर एक साल तक के लिए विशेष रूप से स्तनपान पर निर्भर रहे।

रस्सी कूदें और कद बढ़ाएं

अगर आपका बच्चा खेल-खेल में रस्सी कूदता है, तो ये जानकर आपको खुशी होगी कि ये एक ऐसा खेल है जो व्यायाम भी है और साथ ही सेहत को कई प्रकार से फायदा पहुंचाता है। ये भी कहा जाता है कि रस्सी कूदने से छोटे कद वालों को अपनी हाइट बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अलावा भी रस्सी कूदने के कई फायदे होते हैं, आइए जानते हैं -

- रस्सी कूदना शरीर के रक्तसंचार को बढ़ाने के साथ ही आपको ऊर्जावान बनाने के लिए काफी फायदेमंद है। यह उत्साह बढ़ाने का भी बेहतरीन जरिया है।
- वजन कम करना हो या फिर शरीर की बढ़ी हुई चर्बी कम करना हो, रस्सी कूदना सबसे आसान विकल्प है, जो आप जब चाहें आजमा सकते हैं।
- बढ़ती उम्र में रस्सी कूदना, कद बढ़ाने के लिए बढ़िया एक्सरसाइज है। खेल-खेल में ही यह हाइट बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका साबित होता है।
- यह आपको मानसिक रूप से स्वस्थ बनाता है, तनाव को कम करता है साथ ही चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने के लिए भी सहायक है।
- यह शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाता है, साथ ही हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके अलावा शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे आप स्वस्थ्य बने रहते हैं।

बालों से निकालें हाईलाइट कलर

बालों पर मन मुताबिक कलर ना हो पाया है और आपको लगता है कि वो हेयर कलर आप पर बिल्कुल भी सूट नहीं करता तो उसे बिना कुछ सोंचे समझे निकाल डालिये। प्रस्तुत हैं ये टिप्स। बालों को नया रंग देने या उन्हें हाईलाइट करने से आपकी पर्सनालिटी में निखार आता है। पर कभी–कभार बालों पर मन का रंग ना चढ़ने की वजह से सारा मूड खराब हो जाता है। ये रंग बड़े पक्के होते हैं और लगभग 6 महिने तक आपके बालों के साथ रहते हैं। पर बालों पर मन मुताबिक कलर ना हो पाया है तो इसका ये मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आपको उस गलती के साथ जीना पडेगा। अगर आपको लगता है कि आपके बालों का हेयर कलर आप पर बिल्कुल भी सूट नहीं करता तो उसे बिना कुछ सोंचे समझे निकाल डालिये।

विटामिन सी टेबलेट

बाजार से जा कर सबसे सस्ती विटामिन सी की टेबलेट्स खरीद कर ले आइये। उसके बाद करीबन 25-30 टेबलेट को पीस कर पानी के साथ पेस्ट बना लें। अब इसे हल्के हल्के अपने सिर पर लगा कर मालिश करें और 30 मिनट तक ऐसे ही रखने के बाद बालों को शैंपू से धो लें। ऐसा करने से बालों का रंग दो-तीन शेड हल्का हो जाएगा।

हॉट आयल ट्रीटमेंट

इस ट्रीटमेंट को आप घर पर भी कर सकती हैं। इससे बाल जड़ से मजबूत होते हैं और बालों का कलर भी हल्का हो जाता है। लेकिन इस ट्रीटमेंट को एक हफ्ते में एक बार से ज्यादा ना करें।

लॉन्ड्री डिटर्जेंट या साबुन

बालों से रंग को छुडाने के लिये अपने शैंपू में डिटर्जेंट या कपड़े धोने वाला साबुन मिला कर बाल धोएं। इस विधि को आप कई बार प्रयोग कर सकती हैं। ध्यान रहे कि इसमें ज्यादा ब्लीचिंक कंटेंट ना रहे वरना बालों को नुक्सान भी पहुंच सकता है।

आयरन की कमी को करें पूरा

गर्भावस्था के दौरान अपनी और गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत का सही ध्यान रखना है तो आयरन से जुड़ी इन बातों को नजरअंदाज करने की भूल न करें... आयरन उन महत्त्वपूर्ण पोषक तत्त्वों में से एक है जो प्रैगनैंसी में आप को और आप के शिशु को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। प्रैगनैंसी के दौरान आयरन की आवश्यकता दोगुनी हो जाती है।

आयरन का उपयोग शरीर में औक्सीजन का संचार करने के लिए होता है। यह लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्रोटीन का घटक है जोकि हीमोग्लोबिन की मदद से पूरे शरीर में औक्सीजन ले जाने का काम करता है। इस के अलावा यह मायोग्लोबिन (मांसपेशियों में पाया जाने वाला एक तरह का प्रोटीन) की मदद से मांसपेशियों में भी औक्सीजन का संचार करने का काम करता है। साथ ही यह कई जरूरी ऐंजाइम्स के उत्पादन के लिए भी जरूरी होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है।

प्रैगनैंसी के दौरान आप को अपने और डेली ग्रो करते शिशु के लिए विशेषरूप से दूसरी और तीसरी तिमाही में अतिरिक्त आयरन की जरूरत होती है। सही आयरन की आपूर्ति प्लैसेंटा का सही विकास सुनिश्चित करती है और प्लैसेंटा के जरीए ही गर्भनाल के द्वारा शिशु को सभी पोषक तत्व और औक्सीजन पहुंचती है, जिस से शिशु का शारीरिक और मानसिक विकास सही तरीके से होता है।

आयरन की कमी पड़ सकती है भारी

अधिकतर डाक्टरों का यही मानना है कि वैजिटेरियन भोजन करने वाली अधिकतर महिलाएं अकसर कुछ हद तक आयरन की कमी यानी ऐनीमिया की शिकार होती हैं और ये स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब महिला प्रैगनैंट हो, क्योंकि ऐसे में उसे दोगुनी मात्रा में आयरन की आवश्यकता होती है। ऐक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आप सही मात्रा में आयरन नहीं लेती हैं तो आप को प्रीमैच्योर डिलिवरी, सिजेरियन डिलिवरी और शिशु के विकास में रुकावट का भी सामना करना पड़ सकता है।

पालक में छिपा है रूप का खजाना

पालक की पत्तियां स्वास्थ्य के लिए तो अच्छी होती हैं ही, रूप निखारने में भी इनका खूब इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप नियमित तौर पर इनका इस्तेमाल करेंगे तो खुद ही महसूस करेंगे कि त्वचा में एक अलग निखार आ गया है। पालक की पत्तियों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके इस्तेमाल से ढलती उम्र के लक्षण कम नजर आते हैं। पालक की पत्तियों में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है। इसके अलावा यह विटामिन ए और सी का भी एक अच्छा माध्यम है। लवणों की बात करें तो इसमें मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम और ऑक्जेलिक एसिड होते हैं। ये सभी तत्व बालों के लिए अच्छे होने के साथ ही त्वचा की देखभाल के लिए भी बेहतरीन रहते हैं। पालक की पत्तियों के कुछ ऐसे उपाय जिन्हें आप अब तक नहीं जानते होंगे :

पालक में विटामिन बी, सी और ई पाया जाता है। इसके अलावा इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और ओमेगा 3 फैटी एसिड्स भी भरपूर होते हैं। ये सभी तत्व बालों की लंबाई के लिए बेहद जरूरी होते हैं। पालक में मौजूद आयरन शरीर में ऑक्सीजन के बहाव को बढ़ाता है। इससे कोशिकाओं में रक्त संचार बढ़ता है। इस वजह से पालक बालों की लंबाई बढ़ाने में मदद करता है।

बालों का झड़ना कम करें

आयरन की कमी से एनीमिया होने की आशंका बढ़ जाती है। इस वजह से भी बाल गिरना शुरू हो जाते हैं। पालक में पर्याप्त मात्रा में आयरन पाया जाता है जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाने का काम करता है।

पालक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके इस्तेमाल से ढलती उम्र के लक्षण कम नजर आते हैं.

आज की रेसिपी

थाई क्रंची रोल

यह एक यम्मी थाई स्नैक रेसिपी है जिसमें आपको थाई स्वाद के साथ मशरूम, बेबी कॉर्न, बीन्स और अन्य चीजों का स्वाद मिलेगा.

सामग्री :

- थाई अदरक, लेमन लीफ ब्रॉकली, मशरूम, बेबी कॉर्न बीन्स, नींबू, धनिया, सॉस, थाई मिर्च का पेस्ट, करी पाउडर, वेज ऑस्टर सॉस, डार सोया सॉस, क्रशड काली मिर्च, सुगंधित मसाला पाउडर

विधि :

- कड़ाही में तेल डालें, थाई हर्ब्स, लहसुन, वेजिटेबल सीज़निंग डालें और 5 मिनट तक हिलाएं और फिर थाई चिली पेस्ट सॉस डालें.
- एक स्प्रिंग रोल पेस्ट्री शीट बिछाएं या एक साफ सतह पर लपेटें.
- इसके एक कोने पर 2 बड़े चम्मच फीलिंग रखकर इसे रैप करें, इसके बाद राइट और लेफ्ट दोनों तरफ से टाइट रोल करें.
- अब कड़ाही में तेल गरम करें और मीडियम आंच पर इन्हें फ्राई करें.
- रोल्स को गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई करें, इसे पेपर टॉवल पर निकाल लें और थाई चिली सॉस के साथ सर्व करें.

एशेज में इंग्लैंड की करारी हार

9 विकेट से जीते कंगारू

नई दिल्ली
आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही बहुचर्चित एशेज सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड को शर्मनाक हार मिली है। ब्रिसबेन टेस्ट में मेजबान आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 9 विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त बनाई। चौथे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी 297 रन पर सिमट गई और आस्ट्रेलिया के सामने महज 20 रन का लक्ष्य रखा। 1 विकेट गंवाकर टीम ने इसे हासिल किया। इस मैच में टीम को भले हार मिली लेकिन इंग्लिश कप्तान जो रूट ने बल्लेबाजी से एक बार फिर रिकार्ड बनाया।

पहली पारी में बल्ले से नाकाम रहे रूट ने दूसरी पारी में 89 रन की पारी खेल टीम को पारी की हार से बचाया। इस मैच के दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा बार टाप स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बने। इतना ही नहीं ईयर में उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व आस्ट्रेलियाई दिग्गज की बराबरी भी कर ली।

सबसे ज्यादा बार अपनी टीम की तरफ से एक कैलेंडर ईयर में रन बनाने के मामले में रूट ने पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर की बराबरी की। 10वीं बार इंग्लिश कप्तान एक साल में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। गावस्कर और वेस्टइंडीज के दिग्गज विवि रिचड्र्स ने भी 10-10 बार ऐसा किया था। बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रूट ने पूर्व आस्ट्रेलियाई दिग्गज पोंटिंग की बराबरी की। साल 2005 में उन्होंने 1544 रन बनाए थे जबकि 2021 में रूट ने भी इतने ही रन बनाए हैं। 2008 में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा 1656 रन बनाने का रिकार्ड पूर्व साउथ अफ्रीका कप्तान ग्रीम स्मिथ के नाम है। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने 2012 में 1595 रन बनाए थे और वह इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड पर लगा 100 फीसदी मैच फीस का जुर्माना

एशेज सीरीज की शुरुआत इंग्लैंड की टीम के लिए अच्छी नहीं रही। ब्रिसबेन में खेले गए पहले मुकाबले में टीम को मेजबान आस्ट्रेलिया के हाथों शर्मनाक हार मिली। हार के बाद टीम को आईसीसी की तरफ से भी झटका लगा। मैच फीस में कटौती हुई साथ ही टेस्ट चैंपियनशिप के अंक भी काटे गए। मैच के चौथे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी 297 रन पर सिमट गई और आस्ट्रेलिया के सामने 20 रन का मामूली लक्ष्य रखा। 1 विकेट खोकर मेजबान टीम ने इसे हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई।
ब्रिसबेन टेस्ट मैच के बाद इंग्लैंड की टीम पर आईसीसी ने 100 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया है। इतना ही नहीं आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के 5 अंक भी काटे गए हैं। मैच में स्लो ओवर रेट की वजह से इंग्लिश टीम पर यह जुर्माना लगाया गया है।

विकेटकीपर कैरी ने डेब्यू टेस्ट में बना डाला वर्ल्ड रिकार्ड

आस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज की शुरुआत 9 विकेट की दमदार जीत के साथ की है। ब्रिसबेन टेस्ट में मेजबान टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे दिन शानदार गेंदबाजी के दम पर वापसी की और महज 20 रन के लक्ष्य को आसानी से 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। आस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट डेब्यू कर रहे विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन कर मैच को यादगार बना दिया।
विवादों में घिरने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी कर रहे विकेटकीपर टिम पेन ने एशेज से ठीक पहले पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद उन्होंने अनिश्चितकाल के लिए क्रिकेट से ब्रेक की घोषणा कर दी। पेन की जगह कैरी को चयनकर्ताओं ने टेस्ट में डेब्यू करने का मौका दिया। पहले ही मैच में इस खिलाड़ी ने विकेट के पीछे 8 शिकार कर रिकार्ड बना डाला।

रितुराज ने शतकों की लगाई हैट्रिक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में एक खिलाड़ी ने पिछले कुछ सालों में धमाका मचाया हुआ है। इंडियन प्रीमियर लीग में रनों की बरसात करने वाले रितुराज गायकवाड़ ने विजय हजारे में शतकों की हैट्रिक लगा दी है। बीसीसीआई के घरेलू वनडे टूर्नामेंट में इस बल्लेबाज ने पिछले चार दिन में तीन शतकीय पारी खेल डाली। इस प्रदर्शन के बाद उनकी टीम इंडिया में दावेदारी मजबूत होती जा रही है। शनिवार को रितुराज ने धमाकेदार फार्म को जारी रखते हुए एक और शतक जमा डाला। केरल के खिलाफ महाराष्ट्र के कप्तान ने 110 गेंद पर शानदार शतक जमाया। रितु की इस पारी ने भारतीय टीम में अपनी जगह बचाने के लिए जूझ रहे ओपनर शिखर धवन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विजय हजारे में यह इस बल्लेबाज की चार दिन में तीसरी शतकीय पारी है। भारत को साउथ अफ्रीका दौरे पर तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए रितु के ऐसे धमाकेदार प्रदर्शन के बाद चुना जाना तय माना जा रहा है। विजय हजारे ट्रॉफी का आगाज रितु ने पहले मैच में मध्यप्रदेश के खिलाफ 112 गेंद पर 136 रन बनाकर किया था।

आईसीसी ने जताई उम्मीद

ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को मिलेगी जगह

नई दिल्ली। इंटरनेशनल ओलंपिक समिति (आईओसी) की प्रारंभिक सूची में जगह नहीं मिलने के बावजूद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) को उम्मीद है क्रिकेट अतिरिक्त खेल के रूप में लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेल 2028 में स्थान पाने में सफल रहेगा। आईओसी ने ओलंपिक 2028 के लिए गुरुवार को 28 खेलों की प्रारंभिक सूची जारी की जिसमें स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और स्पोर्ट क्लाइंबिंग भी शामिल हैं। मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और मॉडर्न पेंटाथलॉन को इसमें शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों के संबंधित इंटरनेशनल महासंघों को ओलंपिक 2028 में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए कुछ मानदंडों को पूरा करने के लिए 2023 तक का समय दिया गया है। इस सूची को अगले साल फरवरी में बीजिंग में आईओसी बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा जो कि महज औपचारिक होने की संभावना है।
मेजबान शहर लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में शामिल करने के लिए 2023 में अतिरिक्त खेलों का प्रस्ताव रख सकता है और आईसीसी को उम्मीद है कि इनमें क्रिकेट भी शामिल होगा। बेसबॉल, साफ्टबॉल और अमेरिकी फुटबॉल का एक अन्य प्रकार ओलंपिक 2028 में अतिरिक्त खेल के लिए दौड़ में शामिल हो सकते हैं। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'मेजबान शहर द्वारा अतिरिक्त खेलों के चयन की प्रक्रिया अगले साल (2023) से शुरू हो जाएगी और हमें उम्मीद है कि क्रिकेट इसमें शामिल होगा। हम जानते हैं कि यह (क्रिकेट को एक अतिरिक्त खेल के रूप में शामिल किया जाना) मुश्किल होगा। इसकी कोई गारंटी नहीं है और हमें ओलंपिक खेल 2028 जगह पाने के लिए कुछ अन्य खेलों से कड़ी चुनौती मिलेगी।'
आईसीसी ने अगस्त में लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेल 2028 में क्रिकेट को शामिल करने के लिए अपने इरादे जताए थे और दुनिया के सबसे धनी बोर्ड बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का भी उसे समर्थन हासिल था। आईसीसी ने इसके लिए ओलंपिक कार्यकारी समूह भी गठित किया था। आईसीसी चेयरमैन ग्रेग बारक्ले ने तब कहा था, 'हम सब एक इस दावे को लेकर एकमत हैं और हम ओलंपिक को क्रिकेट के भविष्य के रूप में देखते हैं। हमारे ग्लोबल स्तर पर एक अरब से अधिक प्रशंसक हैं और इनमें लगभग 90 प्रतिशत क्रिकेट को ओलंपिक में देखना चाहते हैं।' लॉस एंजिल्स खेलों के आयोजकों के प्रस्ताव पर आईओसी 2024 में अतिरिक्त खेलों को लेकर फैसला करेगा।

ट्रैविस हेड ने सेंचुरी जड़कर रचा इतिहास, हासिल की खास उपलब्धि

एजेंसी, नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफपहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दौरान गुरुवार को 85 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इसी के साथ उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। एशेज के 139 साल के इतिहास में तीसरा सबसे तेज सैकड़ा है। हेड ने क्रिस वोक्स की गेंद पर अपनी पारी का 12वां चौका लगाकर टेस्ट क्रिकेट में अपना तीसरा और एशेज का पहला शतक पूरा किया। वह अभी 112 रन बनाकर खेल रहे हैं जिसमें 12 चौकों के अलावा दो छक्के भी शामिल हैं। एशेज में सबसे तेज शतक लगाने का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के ही एडम गिलक्रिस्ट के नाम पर दर्ज है। उन्होंने साल 2006 में पर्थ में केवल 57 गेंदों पर शतक पूरा कर दिया था। यह आस्ट्रेलिया की तरफ से सबसे तेज शतक का रिकार्ड भी है। एशेज में गिलक्रिस्ट के बाद इंग्लैंड के गिलबर्ट जैसप का नंबर आता है जिन्होंने 1902 में ओवल में 76 गेंदों पर शतक लगाकर अपनी टीम को एक विकेट से रोमांचक जीत दिलाई थी। हेड अब इस सूची में तीसरे नंबर पर काबिज हो गए हैं जिसमें अगला नाम इयान बॉथम का दर्ज है। बॉथम ने 1981 में मैनचेस्टर में 86 गेंदों पर सैकड़ा जड़ा था।

विराट कोहली नहीं छोड़ना चाहते थे कप्तानी

बीसीसीआई ने लिया फैसला और रोहित को सौंपी जिम्मेदारी

कप्तानी छोड़ने के लिए विराट को मिला था 48 घंटे का अल्टीमेटम, नहीं किया कोई फैसला तो रोहित को बनाया गया कप्तान

एजेंसी, नयी दिल्ली। विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ऐसा होना ही था और बुधवार को बीसीसीआई ने विराट कोहली को भारत की एक दिवसीय टीम के कप्तान पद से हटाकर बागडोर रोहित शर्मा को सौंप दी। कोहली पहले ही टी20 कप्तानी छोड़ चुके थे। पता चला है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें स्वेच्छा से वनडे टीम की कप्तानी से हटने के लिये पिछले 48 घंटों का इंतजार किया लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। लेकिन 49वें घंटे में रोहित शर्मा को यह पद गंवा बैठे जो होना ही था। शायद किसी को यह बताने के लिये उसका समय हो चुका है, कोहली की बर्खास्तगी के बारे में बीसीसीआई के बयान में जिक्र भी नहीं किया गया जिसमें सिर्फ कहा गया कि चयन समिति ने आगे बढ़ने के दौरान रोहित को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का कप्तान बनाने का फैसला किया है। कोहली ने बस यूं ही अपनी कप्तानी गंवा दी। बीसीसीआई और राष्ट्रीय चयन समिति ने कोहली को कप्तानी से हटा दिया जिनकी महत्वाकांक्षा शायद 2023 वनडे विश्व कप में घरेलू सरजमीं पर भारतीय टीम की अगुआई करने की होगी। जिस क्षण भारत टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर हुआ, कोहली को कप्तानी से हटाया जाना तय हो गया था लेकिन बीसीसीआई अधिकारी पिछले साढ़े चार वर्षों से टीम के कप्तान को सम्मानजनक रास्ता देना चाहते थे। अंत में ऐसा लगता है कि कोहली ने बीसीसीआई से कहा कि उन्हें बर्खास्त करके दिखाओ और खेल की शीर्ष संस्था ने आगे बढ़कर ऐसा ही किया और फिर उनके सामने इसे स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। कोहली की कप्तानी का दौर खुद में एक शानदार दास्तां रहा है। 'कूल' महेंद्र सिंह धोनी ने अपने नेतृत्व में कोहली को तैयार किया और फिर जब उन्हें लगा कि समय आ गया तो उन्होंने सफेद गेंद की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी। अगले दो वर्षों में कोहली टीम के ताकतवर कप्तान बन गये जो अपने हिसाब से चीजें करता। फिर उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित की गयी प्रशासकों की समिति थी जिन्होंने उनकी हर मांग (कुछ सही और कुछ गलत) को पूरा किया। फिर पारंपरिक प्रशासकों की वापसी हुई जिसमें बहुत ताकतवर सचिव और अध्यक्ष थे जो खुद ही सफल कप्तानी के बारे में जानकारी रखते थे। अंत में सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों के लिये दो अलग अलग कप्तानों की कोई जगह नहीं रही। आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 से पहले विराट कोहली ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया था। जिसके बाद रोहित शर्मा को टी20 कप्तान बना दिया गया था। लेकिन अब विराट कोहली से वनडे कप्तानी छीन ली गई है। दरअसल, भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने विराट कोहली को स्वेच्छा से वनडे टीम की कप्तानी छोड़ने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था लेकिन उन्होंने कप्तानी नहीं छोड़ी। हालांकि बीसीसीआई ने विराट कोहली की बर्खास्तगी के बारे में कोई बयान साझा नहीं किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक चयन समिति ने रोहित शर्मा को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का कप्तान बनाने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि विराट कोहली साल 2023 में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप की अगुवाई करना चाहते थे लेकिन टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के चलते उनके स्थान पर रोहित शर्मा को कप्तान बना दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक टी20 विश्व कप 2021 के सुपर-12 से भारतीय टीम के बाहर होने के बाद विराट कोहली को कप्तानी से हटाया जाना तय माना जा रहा था। लेकिन बीसीसीआई अधिकारी पिछले साढ़े चार सालों से टीम के कप्तान को सम्मानजनक रास्ता देना चाहते थे। अंत में ऐसा लगता है कि विराट कोहली ने बीसीसीआई से कहा कि उन्हें बर्खास्त करके दिखाओ और खेल की शीर्ष संस्था ने आगे बढ़कर ऐसा ही किया और फिर उनके सामने इसे स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। विराट कोहली ने बतौर कप्तान 95 मैचों में 72.65 के औसत से 5449 रन बनाए हैं। जिसमें 21 शतकीय और 27 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं। इतना ही नहीं बतौर कप्तान सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में विराट कोहली दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के महानतम कप्तान रहे रिकी पॉन्टिंग को पहला स्थान प्राप्त है। उन्होंने वनडे मुकाबले में 22 शतक जड़े हैं। साल 2017 में महेंद्र सिंह धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट कोहली के कप्तानी युग की शुरुआत हुई थी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कुल 95 वनडे में से 65 मुकाबलों में जीत दर्ज की और 27 में हार का सामना करना पड़ा।

भारत के पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा का खुलासा

एडम गिलक्रिस्ट आईपीएल 2009 में रोहित शर्मा को बनाना चाहते थे उपकप्तान

ऋषभ पंत या केएल राहुल में से किसे मिलेगी उप-कप्तानी

एजेंसी, नयी दिल्ली। भारतीय वनडे क्रिकेट टीम का कप्तान रोहित शर्मा को बना दिया गया है। टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद रोहित टी20 टीम के कप्तान पहले ही चुने जा चुके हैं और अब उनको वनडे टीम की कप्तानी भी सौंप दी गई। टी20 टीम का उप-कप्तान केएल राहुल को बनाया गया था, लेकिन वनडे टीम का उप-कप्तान कौन होगा? इसको लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल को ही वनडे टीम का उप-कप्तान बनाया जाएगा लेकिन फ्यूचर कप्तान के तौर पर ऋषभ पंत को भी ग्रूम किया जाएगा। ऋषभ पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स टीम की कप्तानी की है और अपनी लीडरशिप से प्रभावित भी किया है। पंत की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल के नॉकआउट स्टेज तक पहुंची। पंत से पहले दिल्ली कैपिटल्स की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में थी। अय्यर चोट के चलते आईपीएल 2021 के पहले लेग में नहीं खेल पाए थे, जिसके चलते पंत को कप्तान बनाया गया। अय्यर हालांकि आईपीएल 2021 के दूसरे लेग में टीम में लौटे, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने पंत को ही कप्तान बनाए रखने का फैसला लिया। टी20 वर्ल्ड कप के बाद से टीम इंडिया में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। रवि शास्त्री, भरत अरुण और आर श्रीधर का क्रम से हेड कोच, बॉलिंग कोच और फील्डिंग कोच के पद का कार्यकाल खत्म हुआ। राहुल द्रविड़ टीम इंडिया के साथ हेड कोच के तौर पर जुड़े। विराट ने टी20 वर्ल्ड कप से पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह टूर्नामेंट टी20 कप्तान के तौर पर उनका आखिरी टूर्नामेंट है। विराट ने हालांकि तब कहा था कि वह वनडे और टेस्ट के कप्तान बने रहेंगे। अब विराट के हाथ में टेस्ट टीम की कमान है, जबकि वनडे और टी20 फॉर्मेट में रोहित कप्तान होंगे। इसके अलावा रोहित को टेस्ट टीम का उप-कप्तान बना दिया गया है। अजिंक्य रहाणे से टेस्ट टीम की उप-कप्तानी छीन ली गई है। रोहित शर्मा ने विराट कोहली से एक साल पहले साल 2007 में इंटरनेशनल क्रिकेट में आगाज किया था। रोहित को भारत को पूर्णकालिक कप्तान बनने में 14 साल लगे। वनडे और टी-20 इंटरनेशनल में लंबे समय तक विराट कोहली के डिप्टी के तौर पर रोहित ने काम किया। बुधवार को बीसीसीआई ने उन्हें वनडे का कप्तान बना दिया। इससे पहले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उन्हें टी-20 की कप्तानी भी सौंप दी गई थी। कोहली भी भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक है पर वो आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट में भारत को जीत नहीं दिला पाए हैं। भारत के पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने खुलासा किया कि एडम गिलक्रिस्ट चाहते थे कि रोहित डेक्कन चार्जर्स के उपकप्तान बनें। प्रज्ञान ओझा ने क्रिकबज से कहा,जब रोहित पहली बार मुंबई की टीम में आए, तो उन्हें कभी भी एक लीडर के तौर पर प्रोजेक्ट नहीं किया गया। धीरे-धीरे चीजें बदलने लगीं जब उन्हें डेक्कन चार्जर्स के कोर ग्रुप में रखा गया। एडम गिलक्रिस्ट रोहित शर्मा को उप-कप्तान बनाना चाहते थे। ओझा साल 2009 की बात कर रहे थे जब डेक्कन चार्जर्स ने खिताब जीता था। गिलक्रिस्ट उस सीजन में आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, उनके बाद रोहित ने 362 रन बनाए थे। रोहित आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस को 5 आईपीएल खिताब जिताए हैं।कोहली की अनुपस्थिति में रोहित ने भारत को साल 2018 में एशिया कप भी जिताया था। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 10 वनडे मैच खेले हैं। इसमें से 8 में टीम इंडिया को जीत और सिर्फ दो में हार मिली है। इस दौरान रोहित ने बल्लेबाजी करते हुए 77.57 की औसत से 543 रन बनाए हैं। इसमें एक दोहरे शतक समेत दो शतक भी शामिल हैं। इसमें 2018 में यूएई में खेला गया एशिया कप भी शामिल है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ चाहते हैं फिर से टेस्ट टीम में शामिल हों टिम पेन

एजेंसी, मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के पूर्व कप्तान टिम पेन क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक पर हैं। एशेज सीरीज शुरू होने से पहले पेन ने टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। 2017 में पेन ने अपनी सहकर्मी को अश्लील मैसेज किए थे, इसका खुलासा होने के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ी और फिर क्रिकेट से ब्रेक ले लिया। ऐसा माना जा रहा है कि टिम पेन का टेस्ट करियर खत्म हो गया है, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ निक हॉकले पेन को फिर से टीम की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। टिम पेन की जगह ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम का कप्तान पैट कमिंस को बनाया गया है, जबकि उप-कप्तानी स्टीव स्मिथ को सौंपी गई है। हॉकले ने टिम पेन की देश की टेस्ट टीम में वापसी का समर्थन करते हुए कहा है कि वह पूर्व कप्तान को फिर से ऑस्ट्रेलिया के लिये खेलते और प्रदर्शन करते हुए देखना चाहते हैं। हॉकले ने एसईएन रेडियो से कहा, हम उन्हें अपने प्रांत और ऑस्ट्रेलिया की तरफसे फिर से खेलते हुए देखना पसंद करेंगे। हम उन्हें जल्द से जल्द वापसी करके खेलते हुए और अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखना चाहते हैं। बुधवार को अपना 37वां जन्मदिन मनाने वाले पेन को 2018 में केपटाउन में गेंद से छेड़छाड़ के मामले के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। तब के कप्तान स्टीव स्मिथ और उप-कप्तान डेविड वॉर्नर को तब एक साल के लिए बैन भी किया गया था।